अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 219 लखनऊ, मंगलवार, 24 फरवरी 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

दरभंगा जा रही रही डबल डेकर बस लखनऊ में पलटी, पांच यात्रियों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में सोमवार शाम को एकडबल डेकर बस सड़क पर पलटने से पांच यात्रियों की मौत हो गई है। हादसे में करीब 10 से 12 लोग घायल भी हुए हैं।बस बिहार के दरभंगा जा रही थी। घटना की जानकारी पर पुलिस के तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए और राहत बचाव शुरू किया। पुलिस मृतकों की संख्या की अभी पुष्टि नहीं है। मृतकों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि डबल डेकर बस यात्रियों को लेकर लुधियाना से दरभंगा जा रही थी।जिले के गोसाईंगंज थाना क्षेत्र स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के खेमा खेड़ा गांव के पास बस अचानक अनियंत्रित होकरसड़क पर पलट गई। दुर्घटना होते ही सवारियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिसको सूचना दी।

जम्मू के अखनूर में विदेशी नोटों से बंधे पाकिस्तानी गुब्बारे बरामद

जम्मू। जम्मू के पास अखनूर सेक्टर के एक अग्रिम गांव से सोमवार को दो गुब्बारे बरामद किए गए। एक गुब्बारे पर एक पाकिस्तानी 5,000 रुपये का नोट और एक अमेरिकी डॉलर बंधा हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि हवाई जहाज के आकार के सफ़ेद और लाल गुब्बारे खुर सीमा क्षेत्र के गुनारा गांव में एक पेड़ पर चिपके हुए मिले। इन गुब्बारों पर एक पाकिस्तानी मोबाइल नंबर और एक क्यूआर कोड भी अंकित था, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि ये पाकिस्तान की ओर से अंतरराष्ट्रीय सीमा के इस तरफ हवा के साथ बहकर आए थे। सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तान से आने वाले गुब्बारों का आना एक आम बात है, लेकिन यह पहली बार है कि इन पर विदेशी नोट बंधे हुए पाए गए हैं।

पनडुब्बी रोधी युद्धपोत अंजदीप 27 फरवरी को होगा नौसेना में शामिल

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने के लिए पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'अंजदीप' को 27 फरवरी को नौसेना के बेड़े में शामिल किया जायेगा। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि अंजदीप आठ पनडुब्बी रोधी युद्धपोतों के निर्माण की परियोजना का तीसरा युद्धपोत है और इसे 27 फरवरी को चेन्नई बंदरगाह पर पूर्वी नौसेना कमान में औपचारिक रूप से शामिल किया जाएगा।

उप्र में विकास और विरासत का अनोखा संगम : योगी

जेवर एयरपोर्ट के करीब 100 एकड़ भूमि पर अंतरराष्ट्रीय थीम आधारित विकसित होगी टाउनशिप

- मुख्यमंत्री योगी का सिंगापुर दौरा : पहले दिन यूपी में निवेश के लिए 20 हजार करोड़ के एमओयू हुए हस्ताक्षरित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सिंगापुर दौरे के पहले दिन उत्तर प्रदेश को निवेश और कौशल विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुई है। कई बैठकों और निवेशकों के साथ संवाद के बीच कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और कंपनियों ने राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। पहले दिन कुल 19 हजार 877 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर सहमति बनी है। यह प्रदेश की अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन के लिए अहम माने जा रहे हैं। वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री योगी ने सभी निवेशकों के आश्वस्त किया कि उत्तर प्रदेश सरकार निवेशकों को पारदर्शी नीतिगत ढांचा, त्वरित स्वीकृतियां और बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री कार्यालय से सोमवार को मिली जानकारी के मुताबिक हस्ताक्षरित किए गए समझौता ज्ञापनों में एक बड़ा प्रस्ताव यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप की ओर से आया है। इसमें ग्रुप हाउसिंग, लॉजिस्टिक पार्क और डेटा सेंटर परियोजनाओं में छह हजार 650 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव रखा है। इन परियोजनाओं से शहरी विकास, औद्योगिक गतिविधियों और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को नई गति मिलने की उम्मीद है। इसी क्रम में गोल्डन स्टेट कैपिटल (जीएससी) ने उत्तर प्रदेश में 100 मेगावाट क्षमता के डेटा सेंटर की स्थापना के लिए आठ हजार करोड़ रुपये निवेश करने की घोषणा की। यह परियोजना राज्य को देश के अग्रणी डेटा सेंटर हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

इसी तरह, प्राइवेट इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ग्रुप (पीआईडीजी) ने नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन और कृषि सह सोलर (एग्री-पीवी) परियोजनाओं में दो हजार 500 करोड़ रुपये निवेश का समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इसके अतिरिक्त एवीपीएन लिमिटेड ने भी नवीकरणीय ऊर्जा और एग्री-पीवी क्षेत्र में दो हजार 727 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई। इन पहलों से उत्तर प्रदेश के हरित ऊर्जा लक्ष्यों को मजबूती मिलेगी।

सरकार के प्रवक्ता के अनुसार मुख्यमंत्री की सिंगापुर यात्रा के पहले दिन निवेश के साथ-साथ कौशल विकास पर भी विशेष ध्यान दिया गया। तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण (टीवीईटी) को सुदृढ़ करने के लिए आईटीई एजुकेशन सर्विसेज (आईटीईईएस) के साथ सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी के तहत आईटीईईएस शैक्षणिक विकास, बुनियादी ढांचे के उन्नयन, नेतृत्व और क्षमता निर्माण, आईएसक्यू प्रमाणन तथा क्वालिटी एश्योरेंस जैसे क्षेत्रों में परामर्श और तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश की कौशल व्यवस्था को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करना है।

न कर्फ्यू है, न दंगा, अब यूपी में सब चंगा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिंगापुर में बसे भारतीय समुदाय को संबोधित भी किया। मुख्यमंत्री योगी ने नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की स्पष्ट और आत्मविश्वास से भरी तस्वीर प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि जो उत्तर प्रदेश कभी दंगों और कर्फ्यू के लिए जाना जाता था, वही आज विकास, निवेश, आस्था, औद्योगिक प्रगति और वैश्विक विश्वास का केंद्र बन चुका है। अब वह दंगों वाला यूपी नहीं है। अब उत्तर प्रदेश में न कर्फ्यू है, न दंगा, अब उत्तर प्रदेश में सब चंगा है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में नए उत्तर प्रदेश की बदली तस्वीर, विरासत और विकास के संगम तथा कानून-व्यवस्था में आए व्यापक परिवर्तन को विस्तार से रखा। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने उपस्थित सभी लोगों को आगामी होली पर्व की शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का सर्वाधिक आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश आज जिस परिवर्तन का साक्षी है, वह बीते नौ वर्षों की प्रतिबद्धता, सुशासन और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। प्रदेश आज कानून-व्यवस्था, निवेश और विकास का मॉडल बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को जमीनी धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करते हुए उत्तर प्रदेश ने 'विरासत और विकास' का संतुलित और प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक मर्यादा और आत्मगौरव का प्रतीक है। काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास हमारी शाश्वत परंपरा को आधुनिक स्वरूप में स्थापित करता है, जबकि मथुरा-वृंदावन की पावन भूमि भारत की भक्ति और अध्यात्म की जीवंत अभिव्यक्ति है।

'एआई इम्पैक्ट' शिखर सम्मेलन में विश्व ने भारत की क्षमता की जमकर सराहना की: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि हाल में हुए 'एआई इम्पैक्ट' शिखर सम्मेलन में भारत के सामर्थ्य की पूरी दुनिया ने जमकर सराहना की, जिससे यह साबित होता है कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की युवा प्रतिभाओं की सोच मानवता के लिए बहुत लाभदायक होगी। पिछले सप्ताह नयी दिल्ली में आयोजित शिखर सम्मेलन का समापन 'एआई इम्पैक्ट' पर नयी दिल्ली घोषणा पत्र को अपनाने के साथ हुआ, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर वैश्विक सहयोग में मील का पत्थर है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''दिल्ली में हुए ऐतिहासिक एआई शिखर सम्मेलन में पूरी दुनिया ने भारत के सामर्थ्य की जमकर सराहना की है। इससे पता चलता है कि प्रौद्योगिकी को लेकर हमारे युवा साथियों की सोच पूरी मानवता के बहुत काम आने वाली है।''

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के घोषणापत्र पर 89 देशों एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर किए हैं जो आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई के लिए एआई का लाभ उठाने पर व्यापक वैश्विक सहमति को दर्शाता है।इस शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा, स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गी पॉहमेलॉ सहित दुनिया भर के नेता और कई प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) उपस्थित थे।

दुनिया की सबसे पारदर्शी कैब सर्विस होगी भारत टैक्सी : शाह

- भारत टैक्सी से जुड़े चालकों के लिए न्यूनतम आधार किराया तय होगा : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि हाल ही में शुरू की गई सहकारी टैक्सी सेवा भारत टैक्सी अपने मंच से जुड़े सभी 'सारथियों' (चालकों) के लिए प्रति किलोमीटर न्यूनतम आधार किराया सुनिश्चित करेगी और इस दर से नीचे सेवा संचालित नहीं की जाएगी।

शाह ने यहां भारत टैक्सी के सारथियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि मौजूदा टैक्सी एग्रीगेटर कंपनियों ने अपना मुनाफा बढ़ाने के लिए चालकों के लिए कोई आधार दर तय नहीं की है, जबकि भारत टैक्सी में ऑटो की लागत, पेट्रोल की खपत और न्यूनतम लाभ को जोड़कर बेस रेट निर्धारित किया जाएगा।

यह सेवा पारदर्शिता के सिद्धांत पर काम करेगी और किसी भी बदलाव की सूचना एक सप्ताह पहले सारथियों को मोबाइल पर दी जाएगी। अमित शाह ने कहा, ह्लभारत टैक्सी में कुछ भी छिपा नहीं होगा। सारथियों को नोटिफिकेशन के ज़रिए हर जानकारी देने से 'भारत टैक्सी' दुनिया की सबसे पारदर्शी कैब सर्विस बनेगी।

भारत टैक्सी सारथियों की मिनिमम वायबिलिटी के आधार पर एक बेसलाइन किलोमीटर रेट तय करके चलेगी। भारत टैक्सी में ऑटो के मूल्य, पेट्रोल की खपत और मिनिमम प्रॉफ़िट को मिलाकर एक बेस रेट बनाया जाएगा और सर्विस इस रेट से नीचे नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी का उद्देश्य किसी निजी कंपनी की तरह अधिकतम मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि सारथियों को सशक्त बनाना है। इस सहकारी मॉडल में सारथी ही मालिक होंगे और 500 रुपये का शेयर लेकर साझेदार बन सकेंगे।

मिट्टी का टीला ढहने से तीन महिलाओं की मौत

- दो घायल, जिले के अफसर मौके पर, मिट्टी की खोदाई करते समय सुरंग ढह गई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सोनभद्र। जिले के म्योरपुर थाना क्षेत्र के किरवानी गांव के जंगल में सोमवार को बड़ा हादसा हुआ। मिट्टी की खोदाई करते समय मिट्टी की सुरंग ढहने से कई लोग उसमें दब गए। ग्रामीणों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू करते हुए मलबे में दबे लोगों को निकलने का प्रयास शुरू किया। सुबह साढ़े 11 बजे तक तीन महिलाओं के शव बरामद हुए हैं। अन्य की तलाश जारी है।

जिले के आला अधिकारी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गए।

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग सफ़ेद मिट्टी का इस्तेमाल करते हैं। यही मिट्टी लाने के लिए कुछ बच्चे-महिलाएं किरवानी गांव के जंगल में गए थे। मिट्टी खोदते हुए वह लोग सुरंग बनाकर टीले के काफी नीचे चले गए।

इसी दौरान अचानक टीला ढह गया। अंदर खोदाई कर रही महिलाएं मलबे में दब गईं। साथ गए लोगों की चीख-पुकार पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि खैराही सीताराम ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने जेसीबी की मदद से काफी प्रयास के बाद मलबे से तीन लोगों को बाहर निकाला। घायलों को म्योरपुर सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान सदिकुनिशा (35) पत्नी कमरुद्दीन निवासी बडहोर थाना बभनी, अनिशा खातून (35) पत्नी मेराज निवासी किरवानी, सीता (30) पत्नी देवबरन निवासी खैराही के रूप में हुई। बचाव कार्य जारी है। दो अन्य महिलाएं फूलकुमारी (35) पत्नी उदयशंकर निवासी खैराही व नजीबुननिशा (35) पत्नी अलीशेर किरवानी गंभीर रूप से घायल हो गई। जिनका म्योरपुर सीएचसी में उपचार किया जा रहा है।

मतदाता सूची से 91 विस्थापित निवासियों के नाम हटाने की जांच करें लखनऊ जिला निर्वाचन अधिकारी

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को लखनऊ जिला निर्वाचन अधिकारी को अकबर नगर के उन 91 निवासियों की शिकायतों की जांच करने और उपचारात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया, जिनके नाम कथित तौर पर सितंबर 2023 में उनके मकानों को ध्वस्त किए जाने के बाद उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची से हटा दिए गए थे।

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने शुरू में यह विचार व्यक्त किया था कि याचिकाकर्ताओं के निवास स्थान से संबंधित विवादित तथ्यों से जुड़े मामले पर यहां रिट याचिका के माध्यम से विचार नहीं किया जा सकता।

तो संघ का डैमेज कंट्रोल था बटुक सम्मान!

अभयानंद शुक्ल, कार्यकारी सम्पादक

- सीएम योगी के इनकार के बाद डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को सौंपी गई कमान
- दूसरे डिप्टी केशव मौर्य पहले ही शंकराचार्य को भगवान कह मांग चुके हैं माफी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक द्वारा अपने आवास पर बटुकों का सम्मान-पूजन और भोजन कराए जाने के मामले में नई कहानी सामने आई है। पता चला है कि उन्होंने ऐसा संघ प्रमुख मोहन भागवत के इशारे पर किया है। खबर है कि इसके लिए पहले मुख्यमंत्री योगी से कहा गया था कि वे शंकराचार्य मुद्दे का पटाक्षेप करें पर योगी इसके लिए तैयार नहीं हुए। फिर इसके बाद डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को निर्देश दिया गया कि वे बटुकों को बुलाकर उनका सम्मान करें। संघ मानता है कि इस विवाद से भाजपा को नुकसान सकता है।

प्रयागराज संगम मेले में अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के अपमान के मामले में अब जो जानकारी आ रही है उसका निचोड़ ये है कि संघ चाहता है कि बहुत जल्द इस विवाद का अंत किया जाए नहीं तो हिंदू मतों में बिखराव के चलते 2027 के विधानसभा चुनाव और 2029 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को भारी नुकसान हो सकता है। संघ मानता है कि इस पर हिंदू समाज दो वर्गों में बंट गया है। इस विवाद के बाद सोशल मीडिया में बहुत सारी बातें भाजपा के खिलाफ कही गई थीं। और शंकराचार्य के सम्मान को हिंदुओं के अपमान से जोड़ा गया। यहां तक कि मुस्लिम विद्वानों ने भी शंकराचार्य के अपमान को गलत बताया था। सपा ने तो शंकराचार्य के मुद्दे को लेकर योगी सरकार को घेर ही लिया है। भाजपा ने भी सपा को यह कहकर कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की है कि उनकी सरकार में भी शंकराचार्य पर लाठीचार्ज हुआ था। इसके जवाब में सपा ये कहकर बचती दिखाई दी कि है कि तब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद शंकराचार्य की पदवी पर नहीं थे, फिर भी हमने माफी मांग ली थी।

इस विवाद के आने के बाद प्डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने शंकराचार्य से माफी मांगी थी, और कहा था कि मैं शंकराचार्य भगवान से निवेदन करता हूं कि वे संगम स्नान करके इस मामले का पटाक्षेप करें। उनके अपमान के लिए दोषियों के खिलाफ जांच करके कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने माघ मेले में जाकर शंकराचार्य से मिलने की बात भी कही थी, पर कतिपय कारणों वे नहीं गए। तब शंकराचार्य ने इसे योगी आदित्यनाथ से जोड़ दिया और कहा था कि केशव प्रसाद मौर्य को मुझसे मिलने के लिए मना कर दिया गया।

ये विवाद तब बढ़ गया जब शंकराचार्य ने अपने अपमान को लेकर माघ मेला में अपने शिविर के बाहर धरना शुरू कर माफी की मांग कर दी। इसके बाद मेला प्रशासन ने उनसे शंकराचार्य होने का प्रमाण मान लिया। फिर शंकराचार्य और नाराज हो गए। उन्होंने कहा कि सरकार कौन होती है, शंकराचार्य से प्रमाण मांगने वाली। बाद में शंकराचार्य बिना स्नान किए ही धरना समाप्त कर काशी चले गए थे। कुछ दिन बाद काशी में ही गंगा आगमन करके सांकेतिक स्नान किया और ये कहकर विवाद खत्म किया कि चूंकि शंकराचार्य के स्नान के बिना माघ मेला पूर्ण नहीं हो सकता, इसलिए जन सामान्य के लिए मैं आचमन कर इस विवाद का अंत कर रहा हूं।

बाद में शंकराचार्य ने कहा कि मैने तो शंकराचार्य होने का प्रमाण दे दिया पर अब योगी आदित्यनाथ अपने हिंदू होने का प्रमाण दें। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश से पूरे देश का 40% गोमांस निर्यात होता है और गोबध होता है। ऐसे में पहले योगी गोवंश का वध रोकें, गोमांस का निर्यात रोकें, तब मैं उनको सच्चा हिंदू मानूंगा। यदि वे ऐसा नहीं कर पाए तो 10 से 12 मार्च तक लखनऊ में संतों का सम्मेलन आयोजित कर इसका निर्णय किया जाएगा कि योगी असली हिंदू हैं, या कालनेमि। पर बयानबाजी रुकी नहीं। योगी ने विधानसभा में कह दिया कि किसी पीठ पर बैठे किसी भी व्यक्ति को अव्यवस्था फैलाने की मंजूरी नहीं दी जा सकती है।

बीते 17-18 फरवरी को लखनऊ में संघ प्रमुख मोहन भागवत के दौरे में भी इस पर चर्चा उठी। संघ प्रमुख ने लगभग डेढ़ घंटे तक योगी आदित्यनाथ से अकेले में मुलाकात की। सूत्र बताते हैं कि यहीं पर उनसे कहा गया कि वे इस विवाद का खत्म करें, पर सीएम इसके लिए तैयार नहीं हुए। उसके बाद संघ प्रमुख ने केशव मौर्य और बृजेश पाठक से मुलाकातें कीं। चूंकि केशव मौर्य पहले ही शंकराचार्य के पक्ष में बयान दे चुके थे, इसीलिए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को चुना गया। असल में इस विवाद को ब्राह्मण बनाम ठाकुर का भी रूप देने की कोशिश हुई थी, इसलिए रणनीति के तहत ब्राह्मण चेहरा डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को डैमेज कंट्रोल के लिए कहा गया। फिर संघ के निर्देश पर उन्होंने अपने आवास पर 101 बटुकों को बुलाकर उनका सम्मान किया। उन्होंने कहा कि बटुकों की शिखा खींचना महापाप है। इसे किसी भी सूरत में सही नहीं कहा जा सकता।

इस कवायद से बृजेश पाठक को फायदा यह हुआ कि उनकी ब्राह्मणों के बीच अच्छी छवि बनेगी और एक ब्राह्मण नेता की पहचान भी बनेगी। हालांकि प्रदेश में ब्राह्मणों की नाराजगी से चिंतित संघ परिवार अभी भी इसका कोई और सटीक काट खोजने में लगा है। क्योंकि अभी नैरेटिव तो यही बना है कि भाजपा से ब्राह्मण नाराज हैं, और वह इस बार विकल्प की तलाश में हैं। इसको लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव और बसपा प्रमुख मायावती ने ब्राह्मणों पर डोरे डालने शुरू कर दिए हैं। अब तो शंकराचार्य की नाराजगी और बढ़ गई है क्योंकि उनके खिलाफ प्रयागराज की एक कोर्ट ने पाक्सो एक्ट ने मुकदमा दर्ज करने का आदेश दे दिया है, और आरोप योगी सरकार पर लग रहे हैं। यह मामला भी आग में घी डालने जैसा होगा।

गोधन समागम में जुटे हजारों किसान, पशुधन मंत्री ने किसानों को किया सम्मानित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आज 'गोधन समागम 2026' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दुग्धशाला विकास विभाग और पशुधन एवं पशुपालन विभाग की ओर से किया गया। कार्यक्रम में करीब 1000 किसान सीधे मौजूद रहे, जबकि प्रदेश के सभी जिलों के अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। कार्यक्रम में पशुधन, दुग्ध विकास एवं राजकीय पेंशन मंत्री धर्मपाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने 'नंद बाबा' और 'गोकुल पुरस्कार' के विजेताओं को सम्मानित किया। इसके साथ ही प्रदेश की अच्छी तरह संचालित हो रही गोशालाओं और गोआश्रय स्थलों को भी प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार दिए गए। मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गोपालकों और पशुपालकों को मजबूत बनाने के लिए लगातार नई योजनाएं चला रही है, ताकि गांव की अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके। अपर मुख्य सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि स्वदेशी गायों का संरक्षण आज समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर गांव में पशुपालन मजबूत होगा तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था अपने आप मजबूत होगी। उन्होंने विभाग की योजनाओं का जिक्र करते हुए बताया कि सरकार किसानों को आर्थिक मदद और तकनीकी सहयोग दोनों दे रही है। इससे छोटे और मध्यम स्तर के पशुपालकों को बड़ा फायदा मिल रहा है। दूध आयुक्त एवं दुग्धशाला विकास विभाग की महानिदेशक श्रीमती धनलक्ष्मी के. ने बताया कि उत्तर प्रदेश देश में दुग्ध उत्पादन में पहले स्थान पर है। इसे बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि 'नंद बाबा दुग्ध मिशन' के तहत 25 गायों की नंदिनी कृषक समृद्धि योजना, 10 गायों की मिनी नंदिनी योजना और 2 गायों की मुख्यमंत्री स्वदेशी गो-संवर्धन योजना चलाई जा रही है। इन योजनाओं के जरिए पशुपालकों को गाय खरीदने, पालन-पोषण और डेयरी व्यवसाय बढ़ाने में मदद मिल रही है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान के विशेषज्ञ भी शामिल हुए। उन्होंने पशु आहार, हरा चारा, नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य और वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। किसानों ने भी खुलकर सवाल पूछे और विशेषज्ञों ने मौके पर ही उनके जवाब दिए। कई किसानों ने नई तकनीकों और योजनाओं में रुचि दिखाई।

गरमाया देवरिया में शिक्षक की खुदकुशी प्रकरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। देवरिया के गौरीबाजार के मदरसन विद्यालय के सहायक अध्यापक कृष्ण मोहन सिंह की खुदकुशी के मामले का शासन ने संज्ञान ले लिया है। शासन के सख्त होते ही लखनऊ व देवरिया की गठित जांच टीम आज सोमवार को सुबह 10 बजे ही बीएसए कार्यालय पहुंच गई।टीम ने जांच शुरू कर दी है। एक-एक बिंदुओं की कमेटी जांच कर रही है। जांच के समय बीएसए शालिनी श्रीवास्तव के भी मौजूद रही है। कुशीनगर के कुबेर स्थान थाना क्षेत्र के हरैया बुजुर्ग के रहने वाले कृष्ण मोहन सिंह देवरिया के गौरीबाजार विकास खंड के कृषक लघु माध्यमिकविद्यालय मदरसन में सहायक अध्यापक थे।गोरखपुर के गुलरिहा क्षेत्र के शिवपुर सहबाजगंज में अपने भाई के यहां रहते थे। 20 फरवरी की रात उन्होंने फांसी लगा कर जान दे दी थी। उनकी पत्नी गुड़िया सिंह द्वारा गुलरिहा थाने में दी गई तहरीर के मुताबिक 20 फरवरी को

बीएसए कार्यालय पहुंची जांच कमेटी,मचा हड़कंप

उनके कृष्ण मोहन सिंह को बीएसए कार्यालय में बुलाकर अपमानित किया गया और फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। शाम को घर लौटने पर उन्होंने पूरी घटना बताई। वह अत्यंत व्यथित थे। उसी रात उन्होंने घर के निचले कमरे में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। सुबह जब वह कमरे में पहुंचीं तो उन्हें फांसी पर लटकते हुए पाया। मृतक की जेब से चार पेज का सुसाइड नोट मिला, जिसमें उन्होंने पूरे घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए गंभीर आरोप लगाए थे। गोरखपुर के गुलहरिया थाने में बीएसए शालिनी श्रीवास्तव, लिपिक संजीव सिंह और एक अन्य के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। डीएम देवरिया दिव्या मित्तल ने सीडीओ राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित की है। शासन से स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी ने भी जेडी पवन सचान की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित की है। इसमें उप शिक्षा निदेशक संजय कुमार उपाध्याय, एडीएम और मण्डलीय सहायक शिक्षा अधिकारी हैं। शासन के सख्त होते ही सुबह 10 बजे ही लखनऊ व देवरिया की जांच कमेटी बीएसए कार्यालय पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। जांच कमेटी मेंसीडीओ आईएएस राजेश कुमार सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट श्रुति शर्मा, डीआईओएस शिवनारायन सिंह के अलावा लखनऊ से गठित जांच कमेटी के सदस्य भी हैं। जांच शुरू होते ही बीएसए कार्यालय में खलबली मच गई। बीएसए की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन गोरखपुर में बीएसए व लिपिक व अन्य के विरुद्ध केस दर्ज होने के बाद आजाद हिंद सेना वाहिनी के कार्यकर्ता ऋषि पांडेय के नेतृत्व में सुबह 10 बजे बीएसए कार्यालय कार्यकर्ता पहुंचे। बीएसए की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान इन लोगों ने जम कर नारेबाजी की।

जाहिरे बनीं अखण्ड आर्यावर्त महासभा महिला इकाई छत्तीसगढ़ की अध्यक्ष

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा ने शिव कुमारी जाहिरे को संगठन की महिला इकाई छत्तीसगढ़ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा बागपत उत्तर प्रदेश के रूपेश को मेरठ मण्डल के अध्यक्ष का दायित्व दिया गया है। आज यहां संगठन के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ल ने आज यहां इन नियुक्तियों की जानकारी देते हुये बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने संगठन का देश में विस्तार करते हुये शिव कुमारी जाहिरे को अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा महिला इकाई छत्तीसगढ़ का अध्यक्ष नियुक्त किया है। जाहिरे को संगठन में मिली जिम्मेदारी पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने भरोसा जताया कि जाहिरे संगठन की नीतियों को आगे बढ़ाने के लिये तत्परता के साथ कार्य करेगी, उन्होंने कहा कि संगठन देशभर में अपने कदम तेजी से आगे बढ़ा रहा है, जाहिरे की नियक्ति भी इसी क्रम का हिस्सा है। वहीं दूसरी ओर जाहिरे ने संगठन में मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पर प्रतिक्रिया देते हुये संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व पर भरोसा व्यक्त करते हुये कहा कि छत्तीसगढ़ में खासकर महिलाओं के बीच संगठन की नीतियों और विचारों को फैलाकर अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ने का कार्य करेंगे।

13 दिन में 1162 दिव्यांगजनों को रोजगार, 'अभियान 2.0' सफल

लखनऊ। योगी सरकार की समावेशी पहल के तहत 6 से 18 फरवरी तक चले 'दिव्यांगजन रोजगार अभियान 2.0' के अंतर्गत 13 दिनों में 1162 दिव्यांगजनों को सवेतन रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ा गया। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह अभियान 'सबका साथ, सबका विकास' नीति की पर संचालित हो रहा है और ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे। अभियान के सफल संचालन के लिए मिशन निदेशक पुलकित खरे द्वारा सभी 75 जिलों के अधिकारियों के साथ समन्वित रणनीति बनाई गई। समन्वित रणनीति से 856 अतिरिक्त दिव्यांगजन स्वेच्छा से अभियान से जुड़े और उन्हें रोजगार के अवसर मिले। अभियान के तहत रोजगार मेले और प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किए गए, जिनमें टेलीकॉलर, मशीन ऑपरेटर, तकनीकी सहायक, हेल्पर और रिटेल सेल्स एसोसिएट जैसे पदों पर चयन हुआ। चयनित अभ्यर्थियों को 9,000 से 21,000 रुपये मासिक वेतन के प्रस्ताव मिले। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के माध्यम से कई युवाओं को स्वरोजगार के लिए वित्तीय सहायता भी दी गई। मोबाइल रिपेयरिंग, सिलाई-कढ़ाई, जन सेवा केंद्र, डेयरी और पशुपालन जैसे कार्यों से जोड़ा गया। फतेहपुर, अमरोहा, फर्रुखाबाद, वाराणसी और महाराजगंज जिलों ने बेहतर प्रदर्शन किया। अभियान 1.0 के लाभार्थियों की भी ट्रैकिंग जारी है।

बच्चों से भरी स्कूल वैन पलटी, बेकाबू होकर पानी की टंकी से टकराई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बक्शी का तालाब (बीकेटी) थाना क्षेत्र में एक स्कूल वैन बेकाबू होकर पलट गई। इस हादसे में वैन में सवार कई बच्चे घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना महिपतपुर इलाके में हुई। आदर्श सरस्वती जूनियर हाई स्कूल की वैन सड़क किनारे बनी पानी की टंकी से टकराकर पलट गई। बताया जा रहा है कि वैन में लगभग 15 बच्चे सवार थे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों ने वैन में फंसे सभी बच्चों को बाहर निकाला। घायल बच्चों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया है। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

होम्योपैथिक फार्मासिस्ट रिजल्ट में देरी पर प्रदर्शन 5 महीने बाद भी नहीं आया अंतिम परिणाम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित होम्योपैथिक फार्मासिस्ट भर्ती का अंतिम परिणाम जारी न होने से अभ्यर्थियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मुख्य परीक्षा और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी होने के पांच महीने बाद भी परिणाम घोषित न होने पर 397 अभ्यर्थियों ने आयोग से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। अभ्यर्थियों ने सोमवार सुबह ही लखनऊ पहुंचकर पिकअप भवन के सामने प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों के अनुसार, होम्योपैथिक फार्मासिस्ट (प्रारंभिक अर्हता परीक्षा-2023) के तहत विज्ञापन संख्या-09/24 की मुख्य परीक्षा 2 फरवरी 2025 को आयोजित की गई थी। इसके बाद आयोग ने सफल अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन कराया, जो 26 सितंबर 2025 तक पूर्ण हो गया। अभ्यर्थियों का कहना है कि चयन प्रक्रिया की सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं, इसके बावजूद अंतिम चयन परिणाम अब तक घोषित नहीं किया गया है। उनका आरोप है कि परिणाम में अनावश्यक देरी से अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। अभ्यर्थियों ने आयोग के सचिव को संबोधित पत्र में कहा है कि पांच माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अंतिम परिणाम घोषित न होने से वे मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। कई अभ्यर्थियों ने अन्य रोजगार के अवसर भी इस भर्ती के भरोसे छोड़ दिए थे। उनका कहना है कि नियुक्ति में हो रही देरी के कारण आर्थिक और पारिवारिक योजनाएं भी प्रभावित हो रही हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों का समय देने के बाद अब परिणाम का इंतजार उन्हें असमंजस की स्थिति में डाल रहा है। अभ्यर्थियों ने लखनऊ में एकत्र होकर अपनी मांग रखने का निर्णय लिया है। पोस्टर और ज्ञापन में 'हमारा हक दो', '397 होम्योपैथिक फार्मासिस्ट रिजल्ट जल्द जारी करो' और 'विज्ञापन संख्या 09ध्2024 का अंतिम परिणाम शीघ्र घोषित करो' जैसे नारे लिखे गए हैं। कुछ ही देर में अधिकारियों ने अभ्यर्थियों की मुलाकात आयोग के सचिव से कराई। सचिव ने आश्वासन दिया कि मार्च-अप्रैल के बीच में रिजल्ट जारी किया जाएगा। इसके बाद अभ्यर्थियों को लौटा दिया गया है।

2 शातिर चोर गिरफ्तार,20 लाख के जेवर बरामद

लखनऊ। मड़ियांव पुलिस ने 2 शातिर चोरों को गिरफ्तार करके चोरी की 2 घटनाओं का खुलासा किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 20 लाख के जेवर और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद हुई है। पुलिस आरोपियों से अन्य घटनाओं की जानकारी कर रही है। एडीसीपी नार्थ ऋषभ रुणवाल ने बताया 7 दिसंबर 2025 को प्रीतिनगर अन्ना मार्केट निवासी सतीष गुप्ता ने घर का ताला तोड़कर जेवर और नकदी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद 16 फरवरी 2026 को एक अन्य महिला ने घर की खिड़की व लॉकर तोड़कर जेवर और नकदी चोरी किए जाने की तहरीर दी थी। दोनों घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी। सोमवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मड़ियांव पुल के नीचे से लाल टीवीएस राइडर बाइक के साथ 2 आरोपियों को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान अन्ना मार्केट निवासी सोनू वर्मा उर्फ बोगा (42) और सेमरा गौढ़ी, मड़ियांव निवासी सुन्दर लाल गुप्ता (40) के रूप में हुई।

लाल बारादरी के जीर्णोद्धार के विरोध में हंगामा, एनएसयूआई, समाजवादी छात्र सभा और आइसा के सदस्यों ने परिसर के बाहर पढ़ी नमाज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। करीब 225 वर्षों पुरानी जर्जर लाल बारादरी के जीर्णोद्धार के विरोध में रविवार को समाजवादी छात्र सभा, एनएसयूआई और आइसा से जुड़े छात्रा ने प्रदर्शन किया। विरोध स्वरूप इन संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने लाल बारादरी के बाहर नमाज पढ़ी और रोजा इफ्तार किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि विवि प्रशासन ऐतिहासिक इमारत को तोड़कर संघ का एजेंडा लागू करना चाहता है। विश्वविद्यालय परिसर के बीच में स्थित लाल बारादरी बहुत ही जर्जर हो गई है। इमारत में बड़ी-बड़ी झाड़िया और पेड़ उग आए हैं। इसे देखते हुए विवि प्रशासन ने चेतावनी बोर्ड लगाकर भवन में प्रवेश एवं अन्य गतिविधियां प्रतिबंधित कर दी हैं। बारादरी जर्जर होने से अंदर स्थित मस्जिद में नमाज पढ़ना पहले ही प्रतिबंधित किया है। विवि प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से भवन के चारों तरफ फेंसिंग लगाने के लिए खुदाई शुरू कराई। एहतियातन पुलिस बल भी लगा दिया गया। निर्माण कार्य की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में छात्र पहुंच गए और विरोध करने लगे। उनका कहना था कि लाल बारादरी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित स्थल है, इसलिए बिना उसकी अनुमति के कोई भी निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े छात्र जतीन शुक्ला का कहना है कि यह भवन विश्वविद्यालय परिसर के बीच है। इसकी मरम्मत करनी चाहिए और वन विंडो सिस्टम के तहत छात्रों की हर समस्या का समाधान एक स्थान पर करने वाला भवन विकसित किया जाए। जिससे उसे विश्वविद्यालय चक्कर न काटना पड़े। लाल बारादरी के जीर्णोद्धार के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने गत वर्ष ही पांच करोड़ रुपये स्वीकृत किए थे। यह कार्य प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत प्राप्त अनुदान से होना है। उल्लेखनीय है कि लखनऊ विश्वविद्यालय को पीए उषा के अंतर्गत 100 करोड़ रुपये का अनुदान मिला है। नवाबी दौर की यह इमारत ओपन-एयर थिएटर की भव्य पृष्ठभूमि बनेगी, जहां साहित्य महोत्सव और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने योजना है।

शंकराचार्य प्रकरण की न्यायिक कमीशन बनाकर जांच कराने की जरूरत: सुमन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरा नन्द सरस्वती को राजनीतिक साजिश के तहत फर्जी आपराधिक वाद में फंसाया जा रहा है। यह बात रणधीर सिंह सुमन सदस्य कार्यकारिणी इंडियन एसोसिएशन आफ लायर्स ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिख कर कहा कि संघ ने सनातनी हिन्दुओं के शंकराचार्य को बालभोग के आरोप में कुख्यात हिस्ट्रीशीटर द्वारा फर्जी साक्ष्य सृजित कर उनका उत्पीड़न करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले की न्यायिक कमीशन बनाकर जांच कराये जाने की जरूरत है उन्होंने कहा कि मुख्य कारण यह है कि रामजन्म भूमि मंदिर पर संघ द्वारा ट्रस्ट बनाकर कब्जा किया जा चुका है, पार्टी विशेष के वोट सृजन का केन्द्र हिन्दुओं की भावनाओं को उग्र कर किया जा रहा है, इस राजनीतिक उपयोग के बाद संघ सनातनी हिन्दुओं के प्रमुख स्थानों को कब्जा कर लेने की नियत से षडयंत्र कर रहा है और जो सनातनी हिन्दू धर्मगुरू इस षड्यंत्र का विरोध करता है उसको सरकारी मशीनरी के सह पर ब्लैकमेलिंग कर अपने पक्ष में करने की कोशिश की जा रही है, शंकराचार्य ने माघ मेले में प्रयागराज में अव्यवस्थाओं को लेकर विरोध किया था, उसी विरोध के स्वर को दबाने के लिए इस तरह के षडयंत्र किये जा रहे हैं, इसी तरीके से षडयंत्र धर्म विशेष के लोगों के खिलाफ विपक्षी लोगों के खिलाफ किये जा रहे है, ऐसी दशा में न्यायिक कमीशन बनाकर जांच करने की आवश्यकता है।

लखनऊ नगर निगम के 4692.71 करोड़ के मेगा बजट पर लगी मुहर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम के वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में जनता पर कोई नया कर नहीं लगाया गया है, गृहकर में भी अगले तीन महीने तक 10 प्रतिशत छूट दी जाएगी। बजट में सड़क, कूड़ा प्रबंधन और स्ट्रीट लाइट के लिए बजट में मद रखा गया है। 13 मार्च को इसे सदन की बैठक में रखा जाएगा। महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में कार्यकारिणी ने 4692.71 करोड़ रुपये के बजट पर मोहर लगा दी। बजट में सबसे अधिक ध्यान सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पर दिया गया है। इस मद में करीब 300 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है। नगर निगम का दावा है कि इससे डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन, कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण और सफाई व्यवस्था में सुधार होगा। जलकल विभाग के लिए 487 करोड़ के बजट को मंजूरी दी गई। इससे वार्ड स्तर पर नए ट्यूबवेल और सबमर्सिबल पंप लगाए जाएंगे। अब खोदी गई सड़कों की मरम्मत भी जलकल ही करवाएगा। 13 करोड़ से पाइपलाइन बदलने के लिए प्रस्तावित किए गए हैं। हाउस टैक्स की वसूली का लक्ष्य 750 करोड़ रुपए रखा है। सड़क निर्माण से जुड़े प्रस्ताव में 271 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। हालांकि, 2025-26 के पुनरीक्षित बजट में इसे 55 करोड़ रुपए बढ़ाकर इसे 326 करोड़ कर दिया गया था, जिसे फिर से अगले साल पुनरीक्षित बजट में बढ़ाया जाएगा। महापौर ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2027-28 का बजट अब गोमती नगर के आरआर कार्यशाला की जमीन पर बन रहे नए नगर निगम मुख्यालय पर पेश किया जाएगा। इसके लिए अफसरों को अगले साल मार्च 2027 तक नए मुख्यालय के निर्माण पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। नए मुख्यालय के निर्माण के लिए शासन से नगर निगम को पहली किस्त के रूप में 35 करोड़ की राशि शासन से मिल गई है। मुख्यालय के निर्माण में करीब 116 रुपये खर्च होगा। इसके अलावा 25 प्रतिशत ध्नराशि नगर निगम खर्च करेगा। कार्यकारिणी बैठक में सदस्य भृगुनाथ शुक्ला , अनुराग मिश्र ''अन्नू'', राजेश सिंह गब्बर, पृथ्वी गुप्ता, अरुण राय, गौरी सांवरिया , केएन सिंह , संदीप शर्मा, राम नरेश चौरसिया, सबा हसन के साथ अपर नगर आयुक्त, उप नगर आयुक्त, मुख्य लेखा अधिकारी, जोनल अधिकारी, चीज इंजीनियर सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस बजट में 2,278 करोड़ रुपए राजस्व लेखा का है, जो नगर निगम की सम्पत्तियों से टैक्स, लीज रेंट, विभिन्न ठेकों और जुर्माने से होने वाली आय है। 981 करोड़ रुपए राजस्व लेखा राज्य वित्त आयोग की संस्तुति पर मिलने वाले 16 वें वित्त, अमृत योजना, स्वच्छ भारत मिशन, सीएम ग्रेड योजना सहित अन्य केंद्र सरकार और राज्य सरकार से आने वाले मद शामिल हैं। 34 करोड़ रुपए ठेकेदारों की जमानत राशि, कर्मचारी कल्याण कोष, सामूहिक जीवन बीमा सहित अन्य मद से आने वाली आय है, जिसे सस्पेंस अकाउंट में रखा गया है। इसके साथ ही इस साल का क्लोजिंग बैलेंस 1399 करोड़ रुपए नए वित्तीय वर्ष में ओपनिंग बैलेंस के रूप में जुड़ेगा, जिससे साल 2026-27 का कुल बजट 4692.71 करोड़ रुपए प्रस्तावित है।

भाकपा माले का जोरदार प्रदर्शन, बुलडोजर का विरोध किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। भाकपा (माले) के पदाधिकारी और सदस्य प्रदेशभर से चारबाग रेलवे स्टेशन पहुंचे। विधानसभा घेराव के लिए आगे बढ़े। पुलिस उन्हे बैरिकेडिंग करके उन्हें रोक लिया। इस पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों में तीखी नोकझोंक हुई। यूपी के 75 जिलों से कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े हुए पदाधिकारी और सदस्यों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया। बुलडोजर, बिजली का निजीकरण, किसानों को फसलों का उचित दाम और आम आम जनता से जुड़े हुए विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरा। पार्टी के जिला अध्यक्ष रमेश सेंगर ने कहा कि लगातार बुलडोजर के जरिए पूरे प्रदेश में किसानों का और आम लोगों का दमन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान को ताख पर रखकर प्रदेशभर में बुलडोजर चल रहा है। पुलिसिया दमन के सहारे बुलडोजर चला कर आम आदमी के दुकानों को मकान को तोड़ा जा रहा है। आज हम लोग विधानसभा घेरकर इस गूंगी-बहरी सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने आए हैं। पुश्तैनी जमीन, पट्टा, वन भूमि पर आबादी और गरीबों की बदहाली का मुद्दा उठा रहे हैं। मनरेगा को बहाल करके 200 दिनों का काम मांग रहे हैं। मनरेगा में 600 प्रतिदिन मानदेय दिया जाए। महिला संगठन की प्रदेश सचिव कुसुम वर्मा ने कहा- हमने योगी आदित्यनाथ को चुना। उनको विधानसभा में बैठाया। आज हमारी ही नहीं सुनी जा रही है। हम उन्हें ज्ञापन देने इतनी दूर-दूर से आए हैं। यहां हमें पुलिस से बैरिकेडिंग करके क्यों रुकवा दिया गया। हमें सरकार को ज्ञापन देना है कि गरीबों-आदिवासियों पर बुलडोजर की कार्रवाई क्यों की जा रही है?भाकपा माले के सदस्य मनीष कुमार ने कहा कि यूपी में बुलडोजर की सरकार चल रही है। कहने को बुलडोजर से अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है लेकिन अपराधियों पर नहीं, गरीबों-आदिवासियों पर कार्रवाई की जा रही है। उनका दमन किया जा रहा है। हम कई सारी मांगों के साथ आए थे लेकिन यहां हमें पुलिस से रुकवा लिया गया। एआईएसए के सदस्य शांतम निधि ने कहा मनरेगा में 200 दिन की लीगल गारंटी दी जाए। बड़ी-बड़ी कंपनियों के 12 हजार करोड़ रुपए माफ कर दिए जाते हैं तो गरीबों की मदद करने में क्या घट जाता है। बिजली का बिल माफ किया जाए। हम आज सरकार के पास जा रहे थे, सरकार ने पुलिस से रुकवा दिया। सरकार कानून तोड़ती है फिर कार्रवाई हम पर कार्रवाई करती है। मिर्ज़ापुर में वन अधिनियम के विपरीत जाकर कानून तोड़ा गया। कल लाल बारादरी पर कानून तोड़ा गया।

महापुरुषों के आदर्शों से प्रेरित हुआ हरदोईः रामजी, भीमराव अम्बेडकर, संत रविदास व संत गाडगे बाबा की प्रतिमाओं का हुआ अनावरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को सशक्त करने और राष्ट्र निर्माण मे अपना अमूल्य योगदान प्रदान करने वाले महापुरुषों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के उद्देश्य से जिला पंचायत, हरदोई परिसर मे प्रभु श्रीराम द्वार, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय द्वार का लोकार्पण व भारत रत्न डॉ0 भीमराव रामजी अम्बेडकर, संत रविदास व संत गाड्गे बाबा की पुण्य स्मृति मे नवनिर्मित प्रतिमाओं का ''अनावरण'' तथा जननायक मदारी पासी द्वार व रानी अवन्तीबाई लोधी द्वार के शिलान्यास समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आबकारी एवं मद्य निषेध नितिन अग्रवाल के कर-कमलों एवं अति विशिष्ट अतिथि राज्य मंत्री (उच्च शिक्षा) रजनी तिवारीए भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन तथा विशिष्ट अतिथि विधायक गोपामऊ श्याम प्रकाशए विधायक सवायजपुर माधवेंद्र प्रताप सिंह एवं सदस्य विधान परिषद् अवनीश सिंह सहित प्रमुखगण क्षेत्र पंचायत व् सदस्यगण जिला पंचायत की उपस्थिति व् अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती की अध्यक्षता मे संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों द्वारा भारत रत्न डॉ० भीमराव रामजी अम्बेडकर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्रों पर माल्यार्पण व् दीप प्रज्ज्वलन के साथ समारोह का शुभारंभ हुआ। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल एवं अध्यक्ष जिला पंचायत प्रेमावती द्वारा डॉ० भीमराव रामजी अम्बेडकर, संत गाडगे बाबा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमाओं के अनावरण तथा नवनिर्मित प्रभु श्रीराम द्वारए पण्डित दीनदयाल उपाध्याय द्वार के लोकार्पण सहित जननायक मदारी पासी द्वार व रानी अवन्तीबाई लोधी द्वार का शिलान्यास एवं जिला पंचायत परिसर स्थित स्वतंत्रता कार्य का अनावरण करए क्षेत्रवासियों को समर्पित किया गया। इस अवसर पर जगरानी इंटरनेशनल स्कूल, हरदोई की होनहार छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत व् रानी अवन्ती बाई लोधी के जीवन संघर्ष से सम्बंधित नाट्य प्रस्तुति के पश्चात, अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती द्वारा अतिथियों को अंगवस्त्र व् प्रतीक चिन्ह भेंट करए स्वागत अभिनन्दन किया गया।

संग्राम सेनानी भूतपूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष निरंजन सिंह देव के प्रतिमा स्थल के जीर्णोद्धारध्सौंदर्यीकरण संबोधन में कहा कि महापुरुषों की प्रतिमाएं हमें उनके आदर्शों, त्याग और सेवा की प्रेरणा देती हैं। स्वागत द्वार केवल सौंदर्यीकरण का प्रतीक नहींए बल्कि क्षेत्र के गौरव और विकास की पहचान भी हैं। उन्होंने कहा कि जनपद के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। विशिष्ट अतिथि रजनी तिवारी ने इस भव्य समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नितिन अग्रवाल ने अपने आयोजन हेतु जिला पंचायत को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि आज हम यहाँ केवल इन महापुरुषों की पुण्य स्मृति मे भव्य प्रतिमाओं व् स्वागत द्वारों का लोकार्पण व् शिलान्यास ही नहीं कर रहे, बल्कि हम अपनी संस्कृति, इतिहास और निरंतर विकास यात्रा का एक नया अध्याय प्रारम्भ भी कर रहे हैं। अपने स्वागत उद्बोधन मे अध्यक्ष जिला पंचायत प्रेमावती ने उपस्थित अतिथियों एवं गणमान्य क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी के लिए यह सौभाग्य की बात है कि आज जब पूरा देश महान समाज सुधारक व् कर्मयोगी संत गाडगे बाबा की 150वीं जयंती मना रहा है। इस ऐतिहासिक दिवस पर हम सभी जिला पंचायत परिसर मे गाडगे जी की भव्य प्रतिमा के अनावरण के साक्षी बन रहे हैं। आज जब हमारा देश स्वच्छता, सामाजिक समरसता और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा हैए तब संत गाडगे बाबा के विचार और भी प्रासंगिक हो जाते हैं। यह दिन केवल हमारे महापुरुषों को स्मरण का नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प धारण करने का दिन है। जिला पंचायत हरदोई मे स्थापित ये भव्य प्रतिमाएं हमें उन महान विभूतियों की याद दिलाती हैंए जिन्होंने समाज और राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। मैं इस आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों, जिला पंचायत परिवार और हर उस व्यक्ति का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने अपने कठिन परिश्रम व् समर्पण से इस सपने को सच किया है। आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम इन धरोहरों का संरक्षण करेंगे और अपने क्षेत्र को विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ाते रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान गणमान्य अतिथियों एवं क्षेत्रवासियों ने अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती की इस पहल की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक गौरव से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। समारोह का संचालन सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ तथा सदस्य राष्ट्रीय परिषद् भाजपा पीके वर्मा ने आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करए कार्यक्रम समापन की घोषणा की। शिलान्यास व् लोकार्पण समारोह मे प्रमुख रूप से प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा उत्तर प्रदेश रामचंद्र कनौजिया, क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा भगवती सागर, अपर मुख्य अधिकारी प्रदीप कुमार गुप्ताए पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष गण, मंडल अध्यक्ष गण, वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी, प्रबुद्ध चिकित्सक, अधिवक्तागण एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों सहित भारी संख्या मे जनपद वासी उपस्थित रहे।

अज्ञानता, भेदभाव और अंधविश्वास को दूर कर, स्वच्छता और मानव सेवा को बताया सर्वोच्च धर्म

संत गाडगे के चित्र पर पुष्प अर्पित करते जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन व अन्य पदाधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। संत गाडगे महाराज की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर श्रद्धापूर्वक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने जिला पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ संत गाडगे महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने संत गाडगे महाराज के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

अपने संबोधन में जिला अध्यक्ष ने कहा कि संत गाडगे महाराज ने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज सेवाए स्वच्छता और सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के लिए समर्पित किया। उन्होंने समाज में फैली अज्ञानताए भेदभाव और अंधविश्वास को दूर करने का कार्य किया तथा स्वच्छता और मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म बताया। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने आगे कहा कि संत गाडगे महाराज के विचार आज भी समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। उनके द्वारा दिखाया गया सेवा, समर्पण और स्वच्छता का मार्ग समाज को सशक्त और जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारतीय जनता पार्टी भी उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और विकास की भावना से कार्य कर रही है। अंत में जिला अध्यक्ष ने सभी सकार्यकर्ताओं से समाज में स्वच्छता, सेवा और सामाजिक समरसता के संदेश को जन.जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह, जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा, ओम वर्मा, सत्येंद्र राजपूत, जिला मंत्री अविनाश पांडे, अजय शुक्ला, मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक, मुकुल सिंह आशा, ऋषभ त्रिपाठी, आदेश शुक्ला आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई उद्योग व व्यापार बंधु की बैठक

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। स्वामी विवेकानन्द सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में जिला उद्योग व व्यापार बंधु की बैठक हुई। बैठक में जिले के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े उद्यमियों की समस्याओं,

आधारभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने गंगा देवी मार्ग से शुगर मिल कालोनी तक स्ट्रीट लाइट व सड़क चौड़ीकरण के सम्बन्ध मे जानकारी ली। हथौड़ा से बेरूआ थानगांव की खराब सड़क की समस्या के सम्बन्ध मे जिलाधिकारी ने सम्बन्धित को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने औद्योगिक क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति, सड़क, जल निकासी व अन्य आवश्यक सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि खराब विद्युत पोलों की तत्काल मरम्मत कराई जाए। उन्होंने प्लेज पार्क योजना के सम्बन्ध मे चर्चा की। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत या आवेदन का निर्धारित समय के भीतर निस्तारण किया जाए। व्यापारियों द्वारा बडा चौराहा पर महिला शौचालय बनाने की मांग की जिस पर जिलाधिकारी ने भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद मे उद्योग लगाने वाले निवेशकों को किसी प्रकार की एनओसी अनुमति अथवा विभागीय प्रक्रिया मे कठिनायी नही होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने व्यापारियों को पर्यटन विभाग की योजनाओं के बारे मे जानकारी दी, तथा जनपद मे अच्छा होटल और बैक्वेट हाल बनवाये। बैठक में अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अरूणिमा श्रीवास्तव, उपायुक्त उद्योग हर्ष प्रताप सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और उद्यमीगण उपस्थित रहे।

गोद लिये गांव का नोडल अधिकारी करे भ्रमणः जिलाधिकारी

■ सभी कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा मे पूर्ण करें: डीएम

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। स्वामी विवेकानन्द सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग के गोद लिए विद्यालयों की समीक्षा बैठक आहूत की गयी। जिलाधिकारी ने सिडकोंए एईएमआईए आबकारीए सिचाईए जल निगम आदि विभागों का प्रजेन्टेशन के माध्यम से पूर्व एवं अबतक के किये गये कार्यों की स्थिति का अवलोकन करते हुये निर्देशित किया कि विद्यालयों मे खिड़की दरवाजेए फरसीलिगंए टाईल्स एवं वाल पेंटिगं का कार्य को सुचारू रूप से कराया जाये, जिससे कि बच्चों की रूचि बढेगी। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी कार्य मानक के अनुरूप निर्धारित समय सीमा मे किये जाये। उन्होंने कहा कि खण्ड विकास अधिकारीगण एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका गोद लिये गांव का नियमित निरीक्षण करें व सभी कार्य यथाशीघ्र पूर्ण करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0रा0 प्रियंका सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठीए सभी उपजिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण होःडीएम

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विवेकानन्द सभागार में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई मे कुल 88 शिकायते प्राप्त हुईए जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। जन सुनवाई मे आज एक महिला जिसके पति की मृत्यु होने पर अभी तक मृत्यु प्रमाण पत्र नही बना था, जिलाधिकारी ने मौके पर ही सम्बन्धित अधिकारी को शाम तक मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने तथा उसके बच्चें को बाल सेवा योजना से जोड़ने व शासन की अन्य पात्र योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु निर्देशित किया गया। जन सुनवाई मे आज एक व्यक्ति को दिव्यांग पेशंन योजना का लाभ दिलाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्व और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण हो। जनसुनवाई मे प्राप्त कुछ शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर ही समाधान किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट, पूनम भास्कर व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहें।

आज होगा एक दिवसीय विशाल कृषि मेला कृषि ज्ञान संगोष्ठी का आयोजन

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया है कि 24 फरवरी 2026 को जूनियर हाईस्कूल मैदान मल्लावां में एक दिवसीय विशाल कृषि मेला कृषि ज्ञान संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री द्वारा किसानों की आय दो गुनी करने के लक्ष्य के सापेक्ष अत्याधुनिक खेती, बागवानी, सब्जी, पशुपालन, मत्स्य, गन्ना आदि खेती के सम्बन्ध में कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि विशेषज्ञों द्वारा किसानों को विस्तृत जानकारी दी जायेगी। उन्होंने सम्बन्धित विभागों को निर्देशित किया है कि अपने.अपने विभाग से सम्बन्धित स्टालों को उक्त मेले कृषि ज्ञान संगोष्ठी में लगवाने के साथ.साथ भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में किसानों को जानकारी प्रदान करना सुनिश्चित करें।

एडीशनल एसपी मार्तंड प्रकाश ने कोतवाली पिहानी का वार्षिक निरीक्षण किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पिहानी (हरदोई)। विकास खंड के कोतवाली में एडीशनल एसपी मार्तंड प्रकाश ने पिहानी का वार्षिक निरीक्षण किया जिसमें उन्होंने मेस हेल्प डेस्क और कोतवाली के रख-रखाव की जांच की। उन्होंने आने वाले त्योहारों रमजान और होली को लेकर कहा कि सभी लोग कानून का पालन करें और किसी भी प्रकार की अनहोनी घटनाओं पर नजर रखें। निरीक्षण के बाद कस्बे में पैदल गस्त की सभी दुकानदारों व मोटर साइकिल सवार युवकों को हिदायत दी बिना हेलमेट सफर न करें। इस मौके पर कोतवाल छोटे लाल व भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। एडीशनल एसपी ने कहा कि त्योहारों के दौरान शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे पुलिस का सहयोग करें और किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

अलग-अलग हुई मारपीट की घटनाओं में आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई मारपीट की घटनाओं में पीड़ितों की लिखित तहरीर के आधार पर संबंधित थाना पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शाहाबाद थाना क्षेत्र के मोहल्ला माहीबाग निवासी मोअज्जम पुत्र नसीम के अनुसार 18 फरवरी की रात करीब दस बजे पड़ोसी जीशान उर्फ मुन्ना पुत्र निसार ने अपने भाई उस्मान के साथ उसके घर में घुसकर उसके द्वारा निर्माण की गई दीवार को गिरा दिया। मना करने पर आरोपियों ने गाली गलौज कर उसे मारा पीटा उसे बचाने आई मां बहार बानो को सरिया से पीटकर घायल कर दिया और जान से मार डालने की धमकी दी। पुलिस द्वारा उसकी मां का डाक्टरी परीक्षण करवाया गया। पाली थाना क्षेत्र के ग्राम बेहटा निवासी हेमनाथ पुत्र राम दयाल के अनुसार 20 फरवरी को करीब 6 बजे रात में उसका पुत्र प्रेमचंद्र गांव में बारात देखने गया था। गांव निवासी गटई पुत्र मचलेए लल्ला पुत्र रामसेवक और रोहित पुत्र रामरतन ने उसके पुत्र को घेर लिया और लाठी से पीटा उसका पुत्र जान बचाकर घर भागा तो विपक्षी ने घर पर हमला कर दिया और उसके पुत्र और परिजनों को मारपीट कर घायल कर दिया। पचदेवरा थाना क्षेत्र के ग्राम भाहपुर सपाहा निवासी जदुवीर सिंह पुत्र राम नरेश सिंह के अनुसार 21 फरवरी को रात करीब नौ बजे वह अपने दरवाजे पर बैठा था तभी गांव निवासी गुड्डू सिंह पुत्र शेर बहादुर सिंह अपने पुत्र मनोज सिंहएराजपाल सिंह पुत्र रामस्वरूप सिंह और मुन्ना सिंह पुत्र कुवर बहादुर सिंह के साथ चली आ रही पुरानी रंजिश में गाली गलौज किए और लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया उसके चिल्लाने पर विपक्षी जान से मार डालने की धमकी देकर चले गए। मारपीट की उपरोक्त घटनाओं में संबंधित थाना पुलिस ने पीड़ितों की लिखित तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर घायलों का मेडिकल करवाया है। पुलिस द्वारा उक्त घटनाओं की जांच पड़ताल की जा रही है।

मानसिक तनाव के चलते युवती ने की आत्महत्या

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के गांव कलूटेपुरवा में रविवार शाम एक 18 वर्षीय युवती काजल ने मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों के अनुसार, काजल लंबे समय से एक शारीरिक बीमारी से ग्रसित थी। बीमारी के कारण वह अक्सर मानसिक तनाव में रहती थी। इसी हताशा में रविवार शाम उसने घर के कुंडे से दुपट्टे का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतका चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर की थी। प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पंकज ने बताया कि शव को मौके से कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मृतक युवती की फाइल फोटो

किशोरी लापता, रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मंझिला थाना क्षेत्र के एक गांव से किशोरी के लापता हो जाने का मामला प्रकाश में आया है गुमशुदगी दर्ज कराई गई है। मंझिला थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले ग्रामीण के अनुसार उसकी 16 वर्षीय भतीजी 20 फरवरी को अचानक घर से गायब हो गई। सभी नाते, रिश्तेदारों एवं सहेलियों के यहां उसे ढूंढा गया परंतु कोई पता नहीं चल सका। प्रभारी निरीक्षक महिला सत्येंद्र कुमार ने बताया गुमशुदा दर्ज कर किशोरी की तलाश की जा रही है।

युवती को बहला-फुसलाकर भगाने की रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के गांव से एक युवती को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। आरोपी युवक के खिलाफपिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई। कोतवाली क्षेत्र के एक ग्राम के रहने वाले पिता के अनुसार 4 फरवरी को उसके पुत्री घर पर अकेली थी। सुबह करीब 10:00 बजे अवनीश पुत्र बृजपाल निवासी ग्राम मुड़िया थाना जलालाबाद बहला-फुसलाकर भगा ले गया। आरोपी युवक गांव में तेजाब बेचने आता था। जिसका ननिहाल फुन्ना निवासी नेवादा के यहां है। प्रभारी निरीक्षक अरविंद राय ने बताया आरोपी युवक के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कर तलाश की जा रही है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै श्रीकान्त पुत्र राम निवास, पताः- मकान नं0-80 थाना पाली, मोहल्ला राम नगर, जिला-हरदोई का निवासी हूँ। मेरे DL No.-UP3020260001542 मे मेरे पिता का नाम AATMJ RAM NIWAS अंकित हो गया है, जोकि गलत है। मेरे पिता का नाम आधार कार्ड व अन्य अभिलेखों में RAM NIWAS अंकित है, जोकि सही है। मेरे DL में पिता का नाम संशोधित कर, जारी किया जाना आवश्यक है। पिन कोड-241123

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि खाद्य एवं रसद विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा जारी राशन कार्ड संख्या-2155204248/ यूनिट का श्री..... पुत्र श्री..... निवासी-ग्राम पिपरेहटा, मजरा, मकान नम्बर 87, ब्लॉक सुरसा, ग्राम पंचायत-अछरामऊ, तहसील व जिला-हरदोई, उत्तर प्रदेश के पते पर जारी हुआ है तथा उक्त राशन कार्ड मे इनकी पुत्री उपासना का नाम दर्ज नही है।

वेद और बुद्ध के बीच संवाद की परंपरा

पश्चिम, क्रिश्चियनिटी और वामपंथी बौद्धिक प्रवृत्तियों में बुद्ध के प्रति जो विशेष आकर्षण दिखाई देता है, उसे केवल आध्यात्मिक या नैतिक कारणों से समझना पर्याप्त नहीं है। यह आकर्षण एक बड़े बौद्धिक परिप्रेक्ष्य में खड़ा है—सृष्टि की अवधारणा, काल-दृष्टि, इतिहास-लेखन की पद्धति, औपनिवेशिक विमर्श और आधुनिक वैचारिक राजनीति के संदर्भ में। इस प्रश्न को भावनात्मक प्रतिक्रिया की बजाय तर्क और संदर्भ के साथ देखना आवश्यक है। सबसे पहले यह स्पष्ट कर लेना चाहिए कि बौद्ध मत को सनातन वैदिक धर्म से पृथक या विरोधी धारा के रूप में प्रस्तुत करना ऐतिहासिक रूप से संतुलित दृष्टि नहीं है। गौतम बुद्ध उस सांस्कृतिक और दार्शनिक वातावरण में प्रकट हुए जहां उपनिषदों में आत्मा, ब्रह्म, कर्म और पुनर्जन्म पर गहन विमर्श पहले से चल रहा था। बृहदारण्यक उपनिषद में याज्ञवल्क्य आत्मा की अनंतता पर विचार करते हैं। कठोपनिषद में नचिकेता मृत्यु के पार के सत्य को जानना चाहता है। छांदोग्य उपनिषद ह्लतत्वमसिङ्क का उद्घोष करता है। भगवद्गीता में आत्मा की अनश्वरता और कर्मफल का सिद्धांत प्रतिपादित है। बुद्ध ने कर्म और पुनर्जन्म की अवधारणा को नकारा नहीं। उन्होंने यज्ञकर्म और वेद-प्रामाण्य की अनिवार्यता पर प्रश्न उठाए, पर उनका चिंतन उसी दार्शनिक धरातल पर विकसित हुआ जिसे सनातन वैदिक परंपरा कहा जाता है। भारतीय दर्शन की परंपरा में सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, पूर्व मीमांसा, उत्तर मीमांसा (वेदांत), जैन, बौद्ध और चार्वाक जैसे दर्शनों का उल्लेख मिलता है। यह सूची इस बात का संकेत है कि बौद्ध दर्शन को भारतीय बौद्धिक परंपरा से बाहर नहीं रखा गया। चार्वाक जैसे भौतिकवादी मत को भी स्थान मिला, जिसे परंपरा देवगुरु बृहस्पति से जोड़ती है। इसका अर्थ यह है कि भारतीय दार्शनिक संरचना में मतभेद को संवाद के रूप में स्वीकार किया गया, संघर्ष के रूप में नहीं। श्रमण और वैदिक धाराएँ एक ही दार्शनिक भूमि की अभिव्यक्तियां थीं। अब पश्चिमी सृष्टि-दृष्टि पर विचार करें। यूरोप में लंबे समय तक बाइबिल-आधारित कालगणना प्रभावी रही। सत्रहवीं शताब्दी में आयरलैंड के आर्चबिशप जेम्स अशर ने बाइबिल की वंशावलियों के आधार पर सृष्टि की तिथि 4004 ईसा पूर्व निर्धारित की। इस प्रकार मानव इतिहास को कुछ हजार वर्षों की रेखीय समयरेखा में सीमित कर दिया गया। यह दृष्टि एक आरंभ-बिंदु से प्रारंभ होकर क्रमिक विकास और अंत की ओर बढ़ती रेखा पर आधारित थी। उन्नीसवीं शताब्दी में चार्ल्स डार्विन की "On the Origin of Species" (1859) प्रकाशित हुई। विकासवाद ने जीवों के क्रमिक परिवर्तन की परिकल्पना दी। डार्विन ने यह कहा कि मनुष्य और आधुनिक वानरों का एक साझा पूर्वज रहा है। लोकप्रिय समझ में यह विचार इस रूप में बैठा कि मनुष्य बंदर से उत्पन्न हुआ। आज भी सामान्य स्तर पर यह प्रश्न उठता है कि यदि ऐसा है तो बंदर अभी भी क्यों हैं। वैज्ञानिक उत्तर यह देता है कि विकास शाखाओं में हुआ, एक सीधी रेखा में नहीं। फिर भी समग्र ढाँचा रेखीय जैविक विकास पर आधारित है। इसके विपरीत सनातन वैदिक ग्रंथों में सृष्टि की अवधारणा बहुस्तरीय और चक्रीय है। पुराणों में मानसिक सृष्टि का उल्लेख है—ब्रह्मा द्वारा संकल्प से उत्पत्ति। उसके पश्चात मैथुनिक सृष्टि का क्रम है। यह संकेत करता है कि सृष्टि को केवल भौतिक घटना के रूप में नहीं, बल्कि चेतना और प्रकृति के संयुक्त आयाम में देखा गया। विष्णु पुराण में सृष्टि और प्रलय को चक्र में वर्णित किया गया है। श्रीमद्भागवत के तृतीय स्कंध में ब्रह्मा के एक दिन की गणना 4.32 अरब वर्ष कही गई है। महाभारत के शांति पर्व में कल्पों और मन्वंतरों का विस्तार मिलता है। योगवासिष्ठ में असंख्य ब्रह्मांडों की चर्चा है। यहाँ समय अनादि और चक्रीय है। यदि इस चक्रीय काल-दृष्टि को स्वीकार किया जाए तो सृष्टि को कुछ हजार वर्षों में सीमित करने की धारणा चुनौती के घेरे में आ जाती है। औपनिवेशिक काल में भारत के इतिहास को इसी रेखीय ढाँचे में ढालने का प्रयास हुआ। जेम्स मिल की "History of British India" (1817) ने भारतीय परंपरा को अंधविश्वासी और अविकसित बताया। मैक्स मूलर ने वेदों का काल सीमित किया। उन्नीसवीं शताब्दी में आर्य आक्रमण सिद्धांत प्रस्तुत हुआ—यह सिद्ध करने के लिए कि वैदिक संस्कृति स्वदेशी नहीं थी।

सबसे पहले यह स्पष्ट कर लेना चाहिए कि बौद्ध मत को सनातन वैदिक धर्म से पृथक या विरोधी धारा के रूप में प्रस्तुत करना ऐतिहासिक रूप से संतुलित दृष्टि नहीं है। गौतम बुद्ध उस सांस्कृतिक और दार्शनिक वातावरण में प्रकट हुए जहां उपनिषदों में आत्मा, ब्रह्म, कर्म और पुनर्जन्म पर गहन विमर्श पहले से चल रहा था। बृहदारण्यक उपनिषद में याज्ञवल्क्य आत्मा की अनंतता पर विचार करते हैं। कठोपनिषद में नचिकेता मृत्यु के पार के सत्य को जानना चाहता है।

नदी को साफ रखना सामाजिक अनुशासन का विषय

संजय सिंह

पिछले कई दशकों में यमुना की स्थिति सुधारने के लिए योजनाएँ बनीं, बजट आवंटित हुए, तकनीकी ढाँचे खड़े किए गए। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों की संख्या बढ़ी, नालों को इंटरसेप्ट करने के प्रयास हुए, औद्योगिक इकाइयों के लिए मानक तय किए गए।

मथुरा में बहती यमुना को देखते हुए मन में एक साथ कई भाव उठते हैं, स्मृति, श्रद्धा और चिंता। यह वही नदी है जिसका उद्गम उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्र स्थित यमुनोत्री हिमनद से होता है, जो पहाड़ों की शीतलता और पवित्रता को अपने साथ लेकर मैदानों में उतरती है। कभी इसे कालिंदी कहा गया, कभी इसे कृष्ण की लीलाओं का साक्षी माना गया, तो कभी आगरा और इटावा के खेतों की जीवनरेखा। दिल्ली, मथुरा, वृंदावन और आगरा जैसे नगरों की सांस्कृतिक स्मृति में यह नदी केवल जलधारा नहीं, जीवन का आधार रही है। परंतु आज जब हम इसके तट पर खड़े होते हैं तो प्रश्न उठता है, क्या हम सचमुच इसके साथ खड़े हैं? पिछले कई दशकों में यमुना की स्थिति सुधारने के लिए योजनाएँ बनीं, बजट आवंटित हुए, तकनीकी ढाँचे खड़े किए गए। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों की संख्या बढ़ी, नालों को इंटरसेप्ट करने के प्रयास हुए, औद्योगिक इकाइयों के लिए मानक तय किए गए। न्यायपालिका और प्रशासन दोनों ने समय-समय पर दिशा-निर्देश दिए। इन प्रयासों को नकारा नहीं जा सकता। परंतु एक बुनियादी सच्चाई यह भी है कि नदी केवल पाइपलाइन और प्लांटों से नहीं बचती; वह उन लोगों से बचती है जो उसके साथ रहते हैं। यमुना बेसिन में छह करोड़ से अधिक लोग निवास करते हैं। केवल दिल्ली महानगर की आबादी दो करोड़ के आसपास है। मथुरा, आगरा, इटावा, यमुनानगर और अन्य कस्बों को जोड़ दें तो यह संख्या और बढ़ जाती है। प्रतिदिन लाखों लीटर घरेलू सीवेज, ठोस कचरा, प्लास्टिक, पूजा सामग्री और औद्योगिक अपशिष्ट इस नदी तंत्र पर दबाव डालते हैं। सरकारें ढाँचा बना सकती हैं, पर हर गली से निकलने वाली नाली पर पहरा नहीं दे सकतीं। यहीं समुदाय की भूमिका निर्णायक हो जाती है। जब तक नदी के किनारे रहने वाला व्यक्ति यह न माने कि यमुना उसकी अपनी है, तब तक कोई भी योजना स्थायी परिणाम नहीं दे सकती। नदी का प्रदूषण केवल प्रशासनिक समस्या नहीं, यह सामाजिक व्यवहार का प्रश्न भी है। हम अपने घर के आँगन को साफ रखते हैं, मोहल्ले की सड़क पर कचरा डालने से बचते हैं, पर वही कचरा जब नाले के माध्यम से नदी तक पहुँचता है, तो हमें उसका अहसास नहीं होता। नदी सार्वजनिक है और सार्वजनिक वस्तु के प्रति हमारी जिम्मेदारी अक्सर निजी वस्तु जितनी प्रबल नहीं होती। जिस प्रकार हम समाज में रहते हुए यह समझते हैं कि हमारा व्यवहार दूसरों को प्रभावित करता है, सड़क पर कचरा न फैलाना, सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखना, नियमों का पालन करना, उसी प्रकार का सिविक सेंस हमें अपनी नदियों और प्रकृति के प्रति भी विकसित करना होगा। यदि हम मानते हैं कि समाज के बीच हमारा आचरण मर्यादित और जिम्मेदार होना चाहिए तो प्रकृति के साथ हमारा व्यवहार भी उतना ही अनुशासित होना चाहिए। अपशिष्ट को उपचारित किए बिना जलधाराओं में न छोड़ना ये केवल पर्यावरणीय उपाय नहीं बल्कि नागरिक चरित्र के संकेत हैं। जिस दिन प्रत्येक नागरिक यह स्वीकार कर लेगा कि प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी भी सामाजिक आचरण का हिस्सा है, उसी दिन से नदियों के पुनर्जीवन की वास्तविक शुरुआत होगी। यमुना के प्रति यह जिम्मेदारी केवल पर्यावरणीय नहीं, सांस्कृतिक भी है। मथुरा और वृंदावन में इसके तट पर धार्मिक अनुष्ठान होते हैं, दिल्ली में छठ और अन्य पर्वों पर हजारों लोग इसके किनारे जुटते हैं। परंतु श्रद्धा यदि संवेदनशीलता में न बदले तो वह अधूरी रह जाती है। पूजा सामग्री का वैकल्पिक प्रबंधन, एकल-उपयोग प्लास्टिक से परहेज, सामूहिक सफाई अभियान ये छोटे कदम हैं, पर इनकी सामाजिक गूँज बड़ी होती है। इसी संदर्भ में जल सहेलियों द्वारा यमुना की अविरलता और निर्मलता के लिए निकाली जा रही यात्रा का महत्व सामने आ रहा है। जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहीं जल सहेलियाँ जब यमुना के तटवर्ती गाँवों और शहरों में कदम-दर-कदम चल रही हैं तो वह केवल प्रतीकात्मक यात्रा नहीं होती। वह संवाद का माध्यम बनती है। यह यात्रा न किसी के विरोध में है, न किसी पर आरोप लगाने के लिए; इसका उद्देश्य लोगों को उनकी अपनी नदी से पुनः जोड़ना है। इन दिनों जल सहेलियों द्वारा संचालित यह महिला-केन्द्रित यात्रा विश्व स्तर पर अपनी तरह की महत्वपूर्ण पहल है। सड़क पर उनका हर कदम यमुना की अविरलता और निर्मलता के प्रति उनके अटूट विश्वास और संकल्प को दर्शाता है। जल सहेलियाँ वे महिलाएँ हैं जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में जल संरक्षण, तालाब पुनर्जीवन और सामुदायिक जागरूकता के कार्य किए हैं। जब वे यमुना के किनारे-किनारे चलकर लोगों से पूछती हैं क्या आपको याद है, यह नदी पहले कैसी थी? तो यह प्रश्न सीधा हृदय तक पहुँचता है। एक बुजुर्ग अपने बचपन की स्मृतियाँ साझा करता है, जब नदी का पानी पीने योग्य माना जाता था। एक किसान बताता है कि अब सिंचाई के लिए वैकल्पिक स्रोत ढूँढ़ने पड़ते हैं। एक युवा स्वीकार करता है कि प्लास्टिक का प्रयोग कम करना उसके हाथ में है। इस पदयात्रा का सबसे बड़ा प्रभाव यह है कि यह जिम्मेदारी को स्थानीय बनाती है। नदी कोई दूर की नीति नहीं, वह पास की वास्तविकता है। जब किसी गाँव में बैठक होती है और लोग तय करते हैं कि अब से नाले को बिना उपचार के नदी में नहीं गिरने देंगे, जब मंदिर समितियाँ पूजा सामग्री के संग्रह के लिए अलग पात्र रखती हैं, जब बाजार संघ प्लास्टिक कम करने का संकल्प लेते हैं तो यह परिवर्तन योजनाओं को जमीन देता है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी यही बताते हैं कि नदियों का पुनर्जीवन केवल सरकारी परियोजना से संभव नहीं। यूरोप में टेम्स और राइन जैसी नदियों की स्थिति में सुधार तब आया जब स्थानीय समुदायों, उद्योगों और प्रशासन ने मिलकर दीर्घकालिक संकल्प लिया। जल सहेलियों द्वारा बुंदेलखंड में किये जा रहे छोटी नदियों के पुनर्जीवन के कार्य आज गवाह हैं कि जब समाज स्वयं नदी का संरक्षक बनता है, तब परिवर्तन टिकाऊ होता है। यमुना के मामले में भी यही सूत्र लागू होता है। यदि यमुना बेसिन में नदी मित्र समूह सक्रिय हों, यदि स्कूलों में नदी-पाठ पढ़ाया जाए, यदि धार्मिक संस्थान पर्यावरण-सम्मत अनुष्ठानों को बढ़ावा दें, यदि औद्योगिक क्षेत्र पारदर्शिता से अपने अपशिष्ट प्रबंधन का विवरण साझा करें तो यह सामूहिक प्रयास नदी को राहत दे सकता है। अविरल का अर्थ केवल निरंतर बहाव नहीं बल्कि अवरोधों से मुक्त जीवन है। निर्मल का अर्थ केवल स्वच्छ जल नहीं बल्कि स्वच्छ मनोभाव भी है। पदयात्रा इन दोनों अर्थों को जोड़ती है। यह लोगों को बताती है कि नदी को साफ रखना किसी एक विभाग का काम नहीं, यह सामाजिक अनुशासन का विषय है। जिस प्रकार हम यातायात नियमों का पालन करते हैं क्योंकि वह सामूहिक सुरक्षा से जुड़ा है, उसी प्रकार नदी के प्रति आचरण भी सामूहिक स्वास्थ्य से जुड़ा है। यमुना का प्रश्न केवल पर्यावरण का नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी है। प्रदूषित जल से उत्पन्न रोग, भूजल पर दबाव, जैव-विविधता का क्षरण—ये सभी सीधे समाज को प्रभावित करते हैं। यदि नदी में घुली ऑक्सीजन का स्तर घटता है, तो मछलियाँ मरती हैं; यदि जल में रासायनिक तत्व बढ़ते हैं, तो वह कृषि और पेयजल दोनों को प्रभावित करते हैं। इसलिए नदी की चिंता भविष्य की चिंता है। आज आवश्यकता आरोपों की नहीं, सहभागिता की है। योजनाएँ चलती रहें, तकनीकी सुधार होते रहें, पर साथ ही समाज अपने हिस्से की जिम्मेदारी स्वीकार करे। जल सहेलियों की पदयात्रा इसी स्वीकार का निमंत्रण है। वह यह कहती है कि परिवर्तन का रास्ता सरकार और समाज के बीच पुल बनाकर ही निकलेगा। यमुना को बचाना किसी एक दिन का कार्यक्रम नहीं, यह सतत प्रक्रिया है। जब छह करोड़ लोग अपने-अपने स्तर पर छोटे-छोटे संकल्प लें कचरा पृथक्करण से लेकर जल संरक्षण तक तो नदी की धारा में फर्क दिखाई देगा। पदयात्रा उस चेतना का बीज बो रही है। बीज आज बोया जाए तो वृक्ष बनने में समय लगेगा, पर बिना बीज के वृक्ष की कल्पना नहीं की जा सकती। अभी तक यात्रा के दौरान स्कूलों और कॉलेजों के साथ हुए संवाद से एक स्पष्ट विमर्श सामने आया है कि नदियों को पुनः निर्मल और अविरल बनाने के लिए अब युद्ध स्तर पर कार्य करना आवश्यक है। 21वीं सदी में हमें अपनी नदियों के संरक्षण और पुनर्जीवन को प्राथमिकता देनी ही होगी। यमुना के तट पर खड़े होकर यदि हम यह तय करें कि यह नदी हमारी साझी विरासत है और इसे अगली पीढ़ी तक बेहतर रूप में पहुँचाना हमारा दायित्व है, तो यही सबसे बड़ा बदलाव होगा। पदयात्रा का संदेश सरल है—नदी को केवल देखिए मत, उससे जुड़िए।

नई दिल्ली घोषणा से कृषि क्रांति तक भविष्य की वैश्विक धुरी एआई

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दरअसल, नई दिल्ली घोषणा का मूल दर्शन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस विचार में निहित है, जिसमें एआई को मानव कल्याण का साधन माना गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट किया कि यह घोषणापत्र सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना से प्रेरित है। इसका उद्देश्य एआई संसाधनों और उसके लाभों को कुछ देशों या कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय पूरी मानवता तक पहुंचाना है।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने विश्व समुदाय को यह स्पष्ट संकेत दे दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत अब नीति निर्धारण और वैश्विक दिशा तय करने वाला देश बन चुका है। 89 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी तथा 88 देशों द्वारा हस्ताक्षरित नई दिल्ली घोषणा ने भारत के मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण को जब अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्रदान की, तब इसके साथ यह भी तय हो गया कि भारत अब एआई क्राति में आर्थिक, सामाजिक और नैतिक आयामों को समेटने वाला देश बनने जा रहा है। दरअसल, नई दिल्ली घोषणा का मूल दर्शन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस विचार में निहित है, जिसमें एआई को मानव कल्याण का साधन माना गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट किया कि यह घोषणापत्र सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना से प्रेरित है। इसका उद्देश्य एआई संसाधनों और उसके लाभों को कुछ देशों या कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय पूरी मानवता तक पहुंचाना है। घोषणा में सात प्रमुख स्तंभों को आधार बनाया गया है; एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण, आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई, सुरक्षित और भरोसेमंद एआई, विज्ञान के लिए एआई, सामाजिक सशक्तिकरण, मानव पूंजी विकास तथा लचीली और ऊर्जा-कुशल प्रणालियां। यहां यह ढांचा वैश्विक सहयोग की नई संरचना प्रस्तुत करता हुआ दिखा है, जिसमें राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान करते हुए साझा प्रगति को प्राथमिकता दी गई है। इस समिट ने एक और महत्वपूर्ण संदेश दिया कि भारत एआई निवेश का नया वैश्विक केंद्र बन रहा है। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अल्फाबेट जैसी दिग्गज कंपनियां एआई पर वैश्विक स्तर पर लगभग 700 अरब डॉलर तक पूंजीगत व्यय की तैयारी में हैं। भारत में बड़े औद्योगिक समूहों ने भी अभूतपूर्व निवेश योजनाओं की घोषणा की है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लगभग 110 अरब डॉलर डेटा सेंटर और संबंधित अवसंरचना में निवेश की योजना बना रही है, जबकि अदाणी ग्रुप ने अगले दस वर्षों में 100 अरब डॉलर एआई आधारित डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए निर्धारित किए हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने इस दशक के अंत तक ग्लोबल साउथ देशों में 50 अरब डॉलर निवेश की दिशा में बढ़ने की बात कही है। ओपनएआई और एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज ने टाटा समूह के साथ मिलकर भारत में एआई क्षमताओं को मजबूत करने का संकल्प लिया है। ब्लैकस्टोन ने भारतीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी नेयसा में 600 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। एनवीडिया ने भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाने की घोषणा की है। ये निवेश केवल पूंजी प्रवाह नहीं हैं; ये भारत की डिजिटल संप्रभुता, डेटा अवसंरचना और तकनीकी आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने की दिशा में संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत हैं। समिट में वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की उपस्थिति ने भारत की बढ़ती साख को और मजबूत किया। ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन, अल्फाबेट के सुंदर पिचाई, एंथ्रोपिक के डारियो अमोदेई और गूगल डीपमाइंड के डेमिस हासाबिस जैसे वैश्विक नेता इस आयोजन में शामिल हुए। निश्चित ही यह भागीदारी संकेत है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्र बन चुका है। अमेरिका और भारत के बीच पैक्स सिलिका समझौते ने सिलिकॉन आधारित तकनीकों की वैश्विक आपूर्ति शृंखला को सुरक्षित करने के सहयोग को नया आयाम दिया है। भारत द्वारा 18 अरब डॉलर की सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी देना इस रणनीतिक दृष्टि का आधार है। एआई के संदर्भ में भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका समावेशी दृष्टिकोण है। यहां एआई को केवल कॉर्पोरेट लाभ का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का उपकरण माना जा रहा है। इसका सबसे सशक्त उदाहरण कृषि क्षेत्र में दिखाई देता है। इस संदर्भ में मुंबई में आयोजित इक्र्4इद्दन्द्ध 2026 सम्मेलन को देखा जा सकता है, जिसमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्पष्ट कहा कि भारत की अगली कृषि क्रांति एआई संचालित होगी। इंडिया एआई मिशन, जिसका बजट 10,372 करोड़ रुपये है, स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग क्षमता, डेटा सेट और स्टार्टअप ढांचे को मजबूत कर रहा है। भारतजन के तहत विकसित इद्दन्द्ध घ्थ्न्थ्द्ध मॉडल 22 भारतीय भाषाओं में किसानों को सलाह प्रदान कर रहा है। यह भाषाई समावेशन एआई को वास्तविक अर्थों में जन-केंद्रित बनाता है। ड्रोन और उपग्रह आधारित मैपिंग से लेकर जलवायु पूर्वानुमान और जैव प्रौद्योगिकी तक, एआई का एकीकृत उपयोग कृषि को अधिक सटीक, टिकाऊ और लाभकारी बना रहा है। यदि 60 करोड़ किसानों की उत्पादकता में केवल 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है, तो यह इस सदी का सबसे बड़ा गरीबी-निवारण अवसर सिद्ध हो सकता है, और भारत इस परिवर्तन का सह-निर्माता बन रहा है। भारत की रणनीति का एक और महत्वपूर्ण आयाम ओपन-सोर्स और ऊर्जा-कुशल एआई मॉडल है। पश्चिमी देशों के बंद और पेटेंट-आधारित ढांचे के विपरीत, भारत सुलभ और पारदर्शी एआई पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहा है। कम लागत वाले डेटा सेंटर, ऊर्जा दक्ष अवसंरचना और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए छोटे, उद्देश्य-विशिष्ट एआई मॉडल भारत को व्यापक सामाजिक परिवर्तन की दिशा में अग्रसर कर रहे हैं। कम कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में मोबाइल आधारित एआई समाधान यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि तकनीक का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। भारत की जनसंख्या संरचना भी इस परिवर्तन को गति दे रही है। 1.4 अरब की आबादी, विशाल युवा प्रतिभा-आधार और तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था इसे वैश्विक एआई हब बनने के लिए उपयुक्त बनाती है। आधार, यूपीआई और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मजबूत आधारभूत ढांचे एआई अनुप्रयोगों के लिए तैयार मंच प्रदान करते हैं। नीतिगत स्पष्टता, निवेश की बाढ़ और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का संयोजन भारत को एक अद्वितीय स्थिति में खड़ा करता है। अतः इस संदर्भ में कहना यही है कि नई दिल्ली घोषणा ने आज ये संदेश दिया है कि एआई का उद्देश्य दक्षता बढ़ाने के साथ ही समानता और समावेशन सुनिश्चित करना है। निवेश प्रतिबद्धताएं भारत को अवसंरचना और नवाचार की शक्ति प्रदान कर रही हैं, जबकि कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रयोग यह सिद्ध कर रहे हैं कि एआई जमीन पर वास्तविक परिवर्तन ला सकता है। इस आधार पर यही सच प्रतीत होता है कि यदि बीती सदी औद्योगिक क्रांति की थी और वर्तमान सदी डिजिटल क्रांति की है तो आने वाला दशक एआई क्रांति का होगा। इस क्रांति की धुरी वही देश बन सकता है, जोकि तकनीक को मानव कल्याण से जोड़कर वैश्विक सहयोग का सेतु बन सके। साथ ही जिसमें नवाचार को समावेशी बनाने की क्षमता हो। कहना होगा कि आज ये संकेत स्पष्ट हैं; भारत उसी दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है और एआई के युग में विश्व व्यवस्था का एक प्रमुख निर्माता बनने की ओर अग्रसर है।

दिल्ली सरकार का एक साल और बदलाव की बयार

मनोज कुमार मिश्र

27 साल के लंबे अंतराल के बाद दिल्ली में रेखा गुप्ता की अगुवाई में बनी भाजपा सरकार ने साल भर के शासन में भविष्य की विकसित दिल्ली की ठोस बुनियाद रखी। 20 फरवरी,2026 को सरकार के एक साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंत्रिमंडल के अपने सभी सहयोगियों के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। इस मौके पर पहला कदम बदलाव का, एक साल विकास का, नाम से एक बुकलेट भी जारी की गई। इसमें दावा किया गया कि दिल्ली की भाजपा सरकार ने बहाने बनाने के बजाए कड़ी मेहनत करके भविष्य की जरूरतों के हिसाब से विकसित दिल्ली बनाने के लिए हर दिन काम किए। 365 दिन में 370 आयुष्मान आरोग्य मंदिर(डिस्पेंसरी) बने, इसकी संख्या इस साल 1100 करने का लक्ष्य है। पांच रुपये में गरीबों को भाजन उपलब्ध कराने के लिए 71 अटल कैंटीन शुरू की गई। अभी हर रोज करीब 71 हजार लोग खाना खा रहे हैं। साल भर में ही पानी, बिजली, स्वास्थ्य, सार्वजनिक परिवहन, प्रदूषण दूर करने, यमुना की सफाई और दिल्ली के मूलभूत ढांचे को बेहतर करने की ठोस बुनियाद रखी गई हैं। जन सुनवाई की हर स्तर पर व्यवस्था और आम जन की शिकायतों पर कड़ाई से अमल होना शुरू हो गया है। वैसे अभी सरकार के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है। उसका सामना करने और उसका निबटारा करने के लिए सरकार को लगातार युद्ध स्तर पर काम करना होगा। वादे के मुताबिक मंत्रिमंडल की पहली बैठक में आम लोगों को मुफ्त उपचार के लिए आयुष्मान योजना न केवल दिल्ली में लागू किया गया। अब तक इस योजना में सात साख से ज्यादा लोग पंजीकरण कराकर इसका लाभ उठा रहे हैं। झुग्गी बस्तियों के लिए सात सौ करोड़ का बजट जारी किया गया है। दिल्ली में देश का सर्वाधिक न्यूनतम वेतन 22411 रुपये प्रति महीना लागू किया गया। कामकाजी महिलाओं की सुविधा के लिए 500 पालन केन्द्र खोले गए हैं। परिवहन क्षेत्र में चार हजार से अधिक ई-बसें चलाई जा रहा है। नौ हजार से ज्यादा चार्जिंग स्टेशन बनाए गए हैं। नई ईवी नीति, ई- बाइक, ई-टैक्सी को बढ़ावा देने के अलावा दिल्ली के आखिरी छोर तक सार्वजनिक वाहन को पहुंचाने की दिशा में सरकार काम कर रही है। वैसे सरकार को हाई कोर्ट के हलफनामे के हिसाब से 11 हजार बसों को सड़क पर लाने की भी चुनौती है। यमुना साफ करने के लिए बड़े पैमाने पर काम हो रहा है। 37 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में से 28 को अपग्रेड किया गया है। नौ पर काम चल कहा है। 12 नए संयंत्र बनेंगे। दिल्ली को वायु प्रदूषण से मुक्त करने से लेकर दिल्ली के मूलभूत ढांचे को विकसित करने से लेकर दिल्ली को आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त शहर बनाने के प्रयास के लिए दिल्ली सरकार केन्द्र की सरकार के सहयोग से दिन-रात काम कर रही है। साल 1993 में दिल्ली में नए प्रशासनिक ढांचे में विधानसभा बनने पर हुए पहले चुनाव में भाजपा की सरकार बनी। पांच साल में तीन मुख्यमंत्री बदलने के बावजूद उस सरकार ने कई ठोस काम किए। पहली बार यमुना के जल में राज्य की तरह दिल्ली को हिस्सा मिला। दिल्ली सरकार ने अपने अधिकार बढ़ाकर बिजली बोर्ड बनाकर बिजली का उत्पादन बढ़ाया। नए स्कूल कालेज ही नहीं नया विश्वविद्यालय बनाया गया। नए अस्पताल बने और बड़ी संख्या में दिल्ली के हर कोने में निर्माण कार्य हुए। दिल्ली मेट्रो की नींव रखी गई।1984 के सिख दंगा पीडितों को न्याय दिलाने के प्रयास हुए। इस सिलसिले को 1998 में शीला दीक्षित की अगुवाई बनी कांग्रेस सरकार ने और आगे बढ़ाया। दिल्ली के मूलभूत ढांचे के विकसित करने की सर्वाधिक श्रेय शीला दीक्षित के जाता है। पूरी दिल्ली में काम हुए। दिल्ली फ्लाईओवर का शहर बना। असंभव माने जाने वाले बारापूला नाले को ढक कर कई किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर बना। ऐतिहासिक सलीम गढ़ किला के ऊपर से सड़क निकाली गई। मेट्रो दिल्ली समेत पूरी एनसीआर(राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में पहुंचा। 15 साल शीला दीक्षित के शासन के बाद आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी(आआपा) की दिल्ली में सरकार दस साल रही। बीच में करीब साल भर के लिए राष्ट्रपति शासन भी लगा। आआपा की अनुभवहीन सरकार ने कामकाज से ज्यादा विवाद ही किया। विकास कार्य पटरी से उतर गई। आम लोगों को लुभाने के लिए सरकार केवल मुफ्त की रेवड़ियां बांटती रही। इसी के बल पर वे दो बार प्रचंड बहुमत से विधानसभा चुनाव जीत गए। उसके बाद साल भर पहले भाजपा की सरकार बनी। चुनाव प्रचार में भाजपा के नेताओं ने बड़े-बड़े वादे किए थे। उनमें से कुछ पर तो अमल शुरू हो गए हैं लेकिन काफी काम अभी करने हैं। कायदे में आआपा शासन के दस साल ने दिल्ली में विकास की दिशा ही बदल दी थी। उसे वापस पटरी पर लाना भाजपा सरकार के लिए पहली चुनौती थी। उसमें वे कामयाब रहे। दिल्ली की समस्या अनोखी है। उसका इलाका तो 1483 किलोमीटर ही रहना है लेकिन आबादी बेहिसाब बढ़ रही है। दिल्ली की आबादी में हर साल पांच लाख अतिरिक्त आबादी जुड़ती है। देश की राजधानी होने और नोट-वोट की राजनीति में कोई भी राजनीतिक दल इस पर अंकुश लगाना नहीं चाहता है। दिल्ली का अपना कुछ नहीं है। मौसम से लेकर बिजली-पानी के लिए दिल्ली पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। दिल्ली की सड़कों भी एक सीमा से ज्यादा नहीं बढ़ सकती। शीला दीक्षित ने भी सड़क के ऊपर सड़क (डबल डेकर रोड) बनाने की योजना बनाई थी, उस पर अमल रेखा गुप्ता सरकार करने वाली है। सड़कों से वाहनों की भीड़ कम होना कठिन हो गया है। पेरेफ़ेरियल सड़कों के अलावा चार सौ किलोमीटर मेट्रो चलने और दिल्ली से मेरठ के लिए नमो भारत रेल शुरू होने आदि के बावजूद सड़कों पर भीड़ लगातार बढ़ रही है। केन्द्र सरकार ने दो और रास्तों पर नमो भारत रेल चलाने की घोषणा की है। पिछली सरकार से विपरीत इस सरकार ने फटाफट मेट्रो के अगले चरणों को मंजूरी दी है। नए चरणों के लिए बजट भी आवंटित किए गए हैं। मेट्रो के विस्तार से सड़कों पर से वाहनों की भीड़ कुछ कम होने की उम्मीद जगी है। लोक निर्माण विभाग की 1400 किलोमीटर सड़कों में से पहले साल में 550 किलोमीटर सड़कों की वाल-टू-वाल कारपेंटिंग का काम पूरा हो गया है। नंद नगरी फ्लाई ओवर जनता को समर्पित कर दिया गया है। मुकरबा चौक अंडर पास मार्च तक और बारापूला का अगला चरण जून तक पूरा होने के दावे किए गए हैं। 40 नए फुट ओवर ब्रिज का काम हो रहा है। दिल्ली के अनेक सरकारी अस्पतालों की क्षमताएं बढ़ाई गई और सभी खाली पदों को भरा गया। यह प्रक्रिया लगातार जारी रहने वाली है। नए अस्पताल बनाने की घोषणा की गई है। हर महिला को 2500 रुपये प्रति माह महिलाओं को पेंशन देना यानी महिला समृधि योजना के लिए 5100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके लिए समिति काम कर रही है। लाडली योजना के अंतर्गत सालों से लंबित 1.75 लाख बच्चियों के भुगतान की पहले चरण में तीस हजार बच्चियों के खाते में 90 करोड़ रुपये भेजे गए। अब लाड़ली योजना के बजाए ज्यादा पैसा देने वाली लखपति योजना को लागू करने की योजना है। दिल्ली को वायु प्रदूषण से मुक्त करने के लिए वायु प्रदूषण शमन योजना बनाई गई है। सरकार का फोकस दिल्ली की साफ सफाई पर है, इसमें उसे काफी सफलता मिली है। पहला बरसात ऐसा बीता जिसमें बहुचर्चित मिंटो रोड को लंबे समय तक बंद न करना पड़ा। पिछले दिनों सरकार ने मेधावी छात्र-छात्राओं को सरकार लैपटाप देने और ओलंपिक आदि जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि बढ़ाई । राष्ट्रीय स्तर पर तैयारी करने वाले खिलाड़ियों को बीस लाख रुपये की सहायता दी जा रही है। दिल्ली में खेल महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। सरकार का दावा है कि दिल्ली में हर रोज निकलने लावे 11 हजार मीट्रिक टन कचरे का निबटान करने की व्यापक योजना बनने से कूड़े के नए पहाड़ बनेंगे। इतना ही नहीं कूड़े के पहाड़ों से भी दिल्ली को जल्दी ही निजात मिल जाएगी। आम आदमी पार्टी के हारने के कई कारणों में एक काम यह माना जाता है कि उसकी सरकार ने दिल्ली की मूल ढांचे की बेहतरी के लिए ठोस काम नहीं किए। लेकिन उसके कुछ अच्छे कामों में से एक काम निजी स्कूलों के फीस पर नियंत्रण रखना था। आआपा सरकार जाते ही निजी स्कूलों ने बेहिसाब फीस बढ़ा दी। भाजपा सरकार को इसके विरोध में सड़कों पर उतरे लोगों को शांत करने के लिए सरकार को कठोर कदम उठाने पड़े। सरकार ने फीस रेगुलेशन बिल विधानसभा में पास करके निजी स्कूलों पर लगाम लगाई। इस साल 44 करोड़ रुपये की छात्रवृति बांटी गई। इस सरकार के सामने यमुना को साफ करने की बड़ी चुनौती है। सरकार बनते ही मुख्यमंत्री ने यमुना की आरती शुरू करवाई और यमुना को साफ करने का संकल्प लिया। दिल्ली जल बोर्ड में इसके लिए कई योग्य अधिकारी तैनात किए गए। इस साल यमुना से और दिल्ली के नालों से 22 लाख मीट्रिक टन सिल्ट निकाली गई। यमुना में गिरने वाले नालों को टैप (गंदगी गिरने से रोकने) करने के लिए ड्रोन सर्वे कराए गए। पुराने सीवर ट्रीटमेंट प्लांट को अपग्रेड करने और 12 नए लगाने का काम हो रहा है। यमुना का जल अनवरत बहता रहे, इसके लिए पड़ोसी राज्यों से समन्वय का काम किया जा रहा है। सरकार को भरोसा है कि इसका असर आने वाले समय में दिखेगा। बावजूद इसके इस सरकार के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है। सबसे बड़ी चुनौती तो दिल्ली में अपने काम से बड़ी लकीर खींचने की है। भाजपा दिल्ली में विधानसभा बनने के बाद हुए पहले चुनाव यानी 1993-98 के बाद लगातार दिल्ली की सरकार से बेदखल होती रही है। उसे अपने काम के बल पर दिल्ली में लगातार चुनाव जीतने लायक माहौल बनाना है। सालों दिल्ली की सत्ता में रही कंग्रेस हाशिये पर है। दिल्ली पर दस साल राज करने वाली आआपा भी ढलान पर है। संयोग से केन्द्र, दिल्ली और दिल्ली नगर निगम के सत्ता में भाजपा काबिज है। ऐसे में दिल्ली की भाजपा सरकार के लिए दिल्ली की बहुशासन प्रणाली बाधा नहीं बन रही है। अभी तो शुरुआत है आने वाला समय बताएगा कि दिल्ली सरकार अपने लक्ष्य में कितना सफल हो पाई।

संदिग्ध अवस्था में पपरेंदा बस स्टाप पर दिव्यांग युवक का मिला शव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। चिल्ला थाना क्षेत्र के पपरेंदा गांव में सोमवार को सुबह युवक शव मिलने से हड़कंप मच गया। दिवंगत अरुण सिंह पुत्र छेदीलाल सिंह परिहार उम्र 46 वर्ष निवासी पलरा सूरत से वापस अपने गांव पलरा आ रहा था तभी पपरेंदा बस स्टैंड में अचानक मृत अवस्था में शव पड़ा मिला जब ग्रामीणों ने सुबह देखा तो पूर्व प्रधान रामदयाल वर्मा ने स्थानीय चौकी पपरेंदा को सूचना दी । मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज रामू सिंह यादव ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भतीजे रवि ने बताया कि मेरा चाचा सूरत से वापस घर आ रहा था पत्नी पप्पी अपने मायके कानपुर पर रह रही थी मृतक के एक लड़का यीशु व एक लड़की लक्ष्मी है दो दिन पहले मां भूरी देवी से बात हुई थी मेरा चाचा बता रहा था कि मेरी तबीयत खराब है मां ने कहा था वापस घर आ जाओ वापस घर आ रहा था मौके पर पहुंची पुलिस

ने उसकी बैग में तलाशी लिया तो पता चला कि संस्कार ट्रैवल की बस से वह सोमवार को सुबह ढाई बजे पपरेंदा गांव पर आया था उसके बैग पर कपड़े व दवाइयां ,साफी पर पोहा का नाश्ता उसकी पेंट की जेब पर 4834 रुपए मिले हैं वहीं मौके पर एक जूता बगल पर पैर से निकला हुआ पड़ा था वह सूरत पर मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था दिवंगत अरुण सिंह के नाम दो बीघा जमीन है भतीजे ने बताया दाहिने पैर व दाहिने हाथ से मेरा चाचा दिब्यांग भी था वही इस घटना से मां भूरी देवी व पत्नी का रो-रो कर बुरा हाल है पपरेंदा गांव के ग्रामीणों ने बताया कि यह रास्ते में आते समय ही बस में मृत हो गया है बस के ड्राइवर कंडक्टर ने इसको नीचे उतार कर रख कर चले गए हैं जबकि बस पर ही मृत्यु हो गई थी वहीं थाना प्रभारी अर्पित पांडे ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पैदल जा रहे मजदूर को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मजदूर की हुई मौत

बांदा। बबेरू कोतवाली क्षेत्र के मंठा माइनर के पास पैदल जा रहे मजदूर को अज्ञात ट्रक ने मारी टक्कर, मौके पर मजदूर की मौत हो गई, पुलिस व परिजनों के द्वारा एम्बुलेंस के माध्यम से सीएचसी बबेरू लेकर पहुंचे जहाँ डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मरका थाना क्षेत्र के बन बरौली गांव निवासी धनराज पुत्र जगमोहन उम्र करीब 20 वर्ष यह रविवार की रात्रि करीब 11 बजे मजदूरी करने के बाद पैदल अपने गांव जा रहा था। तभी तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने मंठा माइनर के पास रौंदते हुवे निकल गया। जिससे पैदल जा रहे मजदूर धनंजय की मौके पर मौत हो गई। जैसे ही आसपास के लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बबेरू लेकर पहुंचे। जहां पर डाक्टर द्वारा देखते ही परीक्षण करने के बाद मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनकर परिवार में कोहराम मच गया, उधर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए बीती रात्रि मेडिकल कालेज बांदा भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक मृतक छः भाई व दो बहनों में सबसे छोटा था। जिससे इस घटना को देखते हुए मृतक का पिता जगमोहन मां रामकलिया देवी सहित पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

रिश्वत लेते लेखपाल रंगे हाथ गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जनपद में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत सोमवार को लखनऊ से आयी विजिलेंस टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक लेखपाल को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार की कार्यवाही से राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र अंतर्गत चंपहा निवासी भोलानाथ जायसवाल 48 वर्ष को हैसियत प्रमाण पत्र बनवाना था।

इसके लिए सिंघवल गांव में तैनात लेखपाल महेंद्र कुमार मौर्य से संपर्क किया गया था। आरोप है कि लेखपाल ने प्रमाण पत्र जारी करने के लिए 10 हजार रुपये की मांग की थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत विजिलेंस टीम से की। शिकायत की पुष्टि होने के बाद विजिलेंस टीम ने जाल बिछाया। सोमवार दोपहर चंपहा बाजार स्थित एक मिठाई की दुकान पर जैसे ही भोलानाथ ने लेखपाल को 10 हजार रुपये देते समय वहां पहले से मौजूद विजिलेंस टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़

लिया। गिरफ्तारी के बाद टीम आरोपी को अपने साथ ले गयी। इस संबंध में सदर एसडीएम एसपी वर्मा ने बताया कि लेखपाल के घूस लेते पकड़े जाने की सूचना उन्हें भी मिली है। विजिलेंस टीम से आधिकारिक पुष्टि मिलते ही निलंबन की कार्रवाई की जायेगी। विजिलेंस की इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

सफ़ेद हाथी साबित हो रही जल जीवन मिशन योजना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जलजीवन मिशन कागजों में अपना कोरम जरूर पूरा कर चुकी है। लेकिन जमीनी स्तर पर जिम्मेदारों के सारे दावे हवा-हवाई साबित हो रहे हैं। ग्रामीणों को आसानी से स्वच्छ पेयजल योजना को जिम्मेदारों ने ही पलीता लगा दिया है। हाल तो यह है कि कई गांवों में जहां अभी तक पाईन लाईनें ही नहीं डाली गईं तो वहीं कई जगह पाईप लाईन पड़ गयीं कनेक्शन भी हो गये लेकिन पाइप लाईनों ने पानी की जगह हवा निकल रही है। ग्रामीणों ने अधिकारियों से इस भीषण समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट कराया है। जलजीवन मिशन योजना की जमीनी हकीकत जानने के लिए हमारी टीम जब अतर्रा तहसील के गांव

- नलों से पानी की जगह निकल रही हवा

बिलगांव पहुंची तो वहां पर सरकार के सारे दावे हवा-हवाई साबित हो गये हैं। ग्रामीणों ने बताया कि उनको दशकों से पानी समस्या से जूझना पड़ रहा है। लेकिन जब केन्द्र सरकार की जलजीवन मिशन योजना के बोर के शुरूआत में पता चला तो लगा कि पानी की समस्या से निजात मिल जायेगी। लेकिन योजना के तहत पूरे गांव में पाईप डालन तो डालदी गई इसके बाद कनेक्शन भी कर दिये गये। लेकिन पानी कनेक्शनों से पानी की जगह हवा ही निकल रही है। ग्रामीणों ने बताया कि जिम्मेदारों उनकी उम्मीदों पर पूरी तरह से पानी फ़ेर दिया है। वहीं ग्रामीणों ने जिम्मेदारों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए समस्या के समाधान की मांग की है।

आगामी होली व रमजान के त्यौहार को लेकर सीओ की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक

बांदा। बबेरू कोतवाली परिसर में होली व रमजान के त्योहार को लेकर सीओ व तहसीलदार की अध्यक्षता पीस कमेटी की संपन्न की गई बबेरू कोतवाली परिसर में सोमवार को आगामी त्यौहार होली, व रमजान के त्यौहार को लेकर बबेरू पुलिस क्षेत्राधिकारी सौरभ सिंह व तहसीलदार हेमराज सिंह बोनाल की अध्यक्षता पर पीस कमेटी की बैठक संपन्न की गई। जिसमें बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत हरदौली, आलमपुर, बगेहटा, टोलाकला सिमौनी, रयान, कुचेंदु, उमरहनी तराया, पतवन ,बघैला, अनवान सहित अन्य गांव से मुस्लिम व हिंदू धर्म गुरुओं को बुलाया गया। साथ ही साथ ग्राम प्रधान को भी बुलाया गया, और सभी से होली का त्योहार और रमजान का त्यौहार एक दूसरे के साथ मिलकर सौहार्दपूर्ण मनाएं जाने की अपील की गई है। और हिदायत भी दी गई है, की जो अराजकता त्यौहार में फैलाएगा। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, ड्रोन कैमरे से सभी जगह की निगरानी की जाएगी।

एनएसएस छात्राओं ने चलाया सामुदायिक जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। सोमवार को राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बाँदा के राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डा सबीहा रहमानी, डा जयंती सिंह, डा नीतू सिंह के नेतृत्व में सात दिवसीय शिविर 20-26 फरवरी 2026 जो नगर की पिछड़ी व दलित बस्ती बारी मोहाल, दरी मोहाल और अहीर मोहल्ले में लगाया गया है, इस शिविर के चौथे दिन स्वयंसेवी शिवरार्थी छात्रों ने बस्ती में जाकर सामुदायिक जागरूकता अभियान चलाया । आज का विषय है,समरसत्ता और सांप्रदायिक सौहार्द, सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा। द्वितीय सत्र में शिविर के विश्राम स्थल पर उपर्युक्त विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया । मुख्य वक्ता के रुप में मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग, बांदा के निदेशक श्री श्याम बाबू शुक्ला विशिष्ट वक्ता डॉ. आलोक भरद्वाज उपस्थित रहे।

अपने वक्तव्य में बताया कि समरसत्ता और सांप्रदायिक सौहार्द भारतीय समाज की दो मूलभूत अवधारणाएँ हैं, जो देश की एकता, अखंडता और सामाजिक स्थिरता को सुदृढ़ बनाती हैं। इनका उद्देश्य विविधताओं से भरे समाज में आपसी प्रेम, सम्मान, सहिष्णुता और सहयोग की भावना को विकसित करना है। सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी दी गईं कि, हमेशा हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करें,निर्धारित गति सीमा का पालन करें,नशे की हालत में वाहन न चलाएँ, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें,ट्रैफिक सिग्नल और सड़क संकेतों का पालन करें।इस अवसर डा. राम नरेश पाल , डा. विनय कुमार पटेल और आज की टोली नायक कल्पना, शैलजा, पूनम, रिमझिम, निशा, रजनी, नेहा, लक्ष्मी, गायत्री, आफरीन, मीनाक्षी, प्रीति, अरबिया, श्रद्धा , पूर्णिमा, मनीषा, अदीना, खदीजा ,आकांक्षा सविता, रोशनी ,पायल, रुखसाना, कोमल सिंह आदि उपस्थित रही।

सपाईयों ने मनाई संत गाड़गे की जयंती

बांदा। सोमवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय बिजली खेड़ा बांदा में संत गाडगे महराज की 150 वीं जयंती बड़े धूम धाम से मनाई गई और मिष्ठान वितरण किया गया और सभी लोगों ने उनके जीवन शैली और चरित्र पर प्रकाश डाला,कार्यक्रम की अध्यक्षता मधुसूदन कुशवाहा ने की, नरैनी विधान के पूर्व प्रत्याशी भरत लाल दिवाकर ने अपने विचार में संत गाडगे जी को महान बताया उन्होंने शिक्षा और स्वक्षता पर विशेष बल दिया कार्यालय में प्रमुख रूप से लोक सभा प्रभारी उमेश यादव,जिला मीडिया प्रभारी प्रवक्ता/ प्रमोद गुप्ता राजा,जिला सचिव कुदरत उल्ला,बांदा विधानसभा अध्यक्ष लालमन यादव,दिनेश अनुरागी, आर.के.समुद्रअजय निषाद, विवेक यादव, वरिष्ठ नेता पुष्पेंद्र सिंह चुनाले, दिवाकर खंगार, रज्जन कुशवाहा, योगेन्द्र प्रजापति, छोटे लाल दिवाकर, पंकज यादव,अमर कुशवाहा,अंकित दिवाकर, राजाराम वर्मा,अटल बिहारी पटेल, आदि दर्जनों कार्यकर्ता नेता पदाधिकारी उपस्थिति रहे कार्यक्रम का संचालन नन्द किशोर यादव ने किया।

जोजापुर में 'हिन्दू विवाह का इतिहास और परम्पराओं का सच' पुस्तक का लोकार्पण

- कवि सम्मेलन में गूंजा काव्य, वरिष्ठ साहित्यकार नसीर अहमद की अध्यक्षता में हुआ कार्यक्रम, साहित्यकारों को स्मृति सम्मान से किया गया सम्मानित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। विकास खंड सिकंदरपुर कर्ण के ग्राम जोजापुर में कवि रामनाथ भोला की स्मृति में रामनाथ भोला स्मृति संस्थान, जोजापुर द्वारा यथार्थवादी कवि-लेखक रघुराज सिंह मगन की नौवीं पुस्तक हिन्दू विवाह का इतिहास और परम्पराओं का सच का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में नवयुग जन चेतना के अध्यक्ष पुत्तन लाल पाल, कवि नन्हेराम बाजपेयी, सुरेंद्र कुमार, जयराम सिंह जय सहित अन्य वक्ताओं ने संयुक्त रूप से पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार नसीर अहमद ने की।

लोकार्पित पुस्तक के संबंध में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए पुत्तन लाल पाल ने कहा कि रघुराज सिंह मगन की यह कृति केवल पुस्तक नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक क्रांतिकारी प्रयास है। उन्होंने इसे समाज में जागरूकता लाने वाली प्रभावशाली रचना बताया। जयराम सिंह जय, सुरेंद्र प्रकाश और एडवोकेट सुरेश कुमार ने भी पुस्तक की विषयवस्तु पर अपने विचार व्यक्त किए।

बताया गया कि पुस्तक के लगभग तीन दर्जन लेखों में हिन्दू समाज में विवाह के अवसर पर होने वाली अनेक अनावश्यक परंपराओं और रस्मों के वास्तविक स्वरूप को उजागर किया गया है। साथ ही समय के अनुरूप अनुपयोगी परंपराओं को छोड़कर उपयोगी और सरल व्यवस्थाओं को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया है।

पुस्तक लोकार्पण के बाद कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसका संचालन कृष्ण कुमार सरल ने किया। सम्मेलन में नसीर अहमद नसीर, नन्हेराम बाजपेयी, डॉ. राम किशोर वर्मा, जयराम सिंह जय, उमा शंकर निःशंक, राम कुमार कुमुदेश, दिनेश नीरज, लाल सिंह प्रहरी, सुरेश पाखंडी, मोहम्मद कलीम आरजू और रघुराज सिंह मगन सहित अनेक कवियों ने काव्य पाठ कर सराहना प्राप्त की।

इस अवसर पर वरिष्ठ कवि नन्हेराम बाजपेयी को कवि दिनेश उन्नावी स्मृति साहित्य रत्न सम्मान, नसीर अहमद को कवि साहू मुनिलाल स्मृति साहित्य गौरव सम्मान, सतीश पाखंडी को लोकगीतकार मोहनलाल शास्त्री स्मृति साहित्य भूषण सम्मान तथा मोहम्मद कलीम आरजू को राम राखन द्विवेदी स्मृति साहित्य शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में श्रीराम यादव (प्रधान), राधेश्याम यादव, राकेश कुमार वर्मा, राजकिशोर यादव, प्रेम शंकर, पं. चंद्रशेखर शास्त्री, जय प्रकाश यादव, सुखदेव सिंह, डॉ. बिंदेश्वरूप, संजीव श्रीवास्तव, पिंटू कुमार, रामजी, विजय शंकर, राम सजीवन, राजेंद्र, मुनेश्वर, राम कुमार सहित क्षेत्र एवं ग्रामवासियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। अंत में संयोजक रघुराज सिंह मगन ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

महिला ने ससुराली जनों पर लगाया दहेज उत्पीड़न का आरोप

शुक्लागंज। उन्नाव। मनोहर नगर निवासी वसीम अहमद की पुत्री मुमताज का निकाह क्षेत्र के ही दानिश अली के साथ हुआ था। मुमताज ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि निकाह के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग उसे कम दहेज के लिए ताने देने लगे। आरोपियों ने उससे मायके से तीन लाख रुपये अतिरिक्त लाने का दबाव बनाया। पीड़िता का आरोप है कि जब उसने इतनी बड़ी रकम लाने में असमर्थता जताई, तो उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। हद तो तब हो गई जब आरोपियों ने उसे मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने पीड़िता की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पति दानिश अली, सास बदरुन्निसा, जेठ फैजान अली, जेठानी शाहजहां खातून, जेठ साजिद अली, ननद रौनक और मामा के बेटे फैय्याज के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से जाँच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्र संत गाडगे बाबा की 150वीं जयंती पर हर्षोल्लास के साथ मनायी

बाँदा। गाडगे बहुजन सेवा समिति के तत्वावधान में कांशीराम स्मृति उपवन, नरैनी रोड बाँदा प्रांगण में स्वच्छता अभियान के जनक और महान समाज सुधारक राष्ट्र संत गाडगे बाबा जी की 150वीं जयंती बेहद सादगी, गरिमामय ढंग से मनाई गई। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने सम्मिलित होकर बाबा जी व अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।कार्यक्रम की शुरुआत बाबा जी के प्रिय भजनों और उनके सामाजिक संदेशों के वाचन के साथ हुई। उपस्थित वक्ताओं में मोहनलाल खंडेहवाल ने गाडगे बाबा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उन्हें स्वच्छता का अग्रदूत बताया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष मनीष कुमार ने कहा कि गाडगे बाबा ने बिना किसी सरकारी मदद के, हाथों में झाड़ू लेकर समाज को साफ-सफाई और शिक्षा का जो पाठ पढ़ाया था, वह आज भी प्रासंगिक है।जयनारायण श्रीवास ने कहा कि शिक्षा,स्वच्छता और मानवता ही समाज की उन्नति के दो मुख्य आधार हैं। गाडगे बाबा का जीवन हमें सिखाता है कि निस्वार्थ सेवा ही ईश्वर की सच्ची भक्ति है।इसलिए वह अक्सर कहते थे की नर ही नारायण है उसकी सेवा करोकृ कार्यक्रम का उद्घाटन राजाराम गुरुदेव सेवानिवृत प्रशासनिक अधिकारी न्याय विभाग ने किया और समाज में व्याप्त कुरीतियों से दूर रहने की अपील की गई।कार्यकम की अध्यक्षता शिवशरण जेलर सेवानिवृत्त ने गाडगे बाबा को मानवता सच्चा मसीहा बताया।

गांजा सप्लायर को पुलिस ने दबोचा

बांदा। पुलिस ने ट्रक चालकों के साथ शौकीनों को पुड़िया बनाकर गांजा की बिक्री करने वाले सप्लायर को पकड़ा है। जिसके कब्जे से डेढ़ किलो से अधिक सूखा गांजा बरामद हुआ है।पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा जनपद बांदा को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान ‌ऑपरेशन ईगल‌ के क्रम में थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा अवैध गांजे की बिक्री करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। एसओ कोतवाली देहात चन्द्रप्रकाश तिवारी ने बताया कि थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा गश्त एवं चेकिंग के दौरान थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के पचुल्ला नाला पुलिया के पास से एक अभियुक्त को अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया।अभियुक्तराकेश पुत्र सुखलाल निवासी ग्राम चहितारा थाना कोतवाली देहात के कब्जे से एक सफ़ेद झोले में 1617 ग्राम अवैध सूखा गांजा बरामद हुआ है। मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस ने अभियुक्त को जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश तिवारी ने बताया कि अभियुक्त बाहर से गांजा लाने के बाद पुड़िया बनाकर बिक्री करता था। कई पेट्रोल पंपो में भी उसकी सेटिंग्स थी। ट्रक चालकों के साथ शौकीनों को गांजा बेंचता था।

मुन्ना मिश्रा की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- हड़हा ग्रामसभा में आयोजित कार्यक्रम में विधायक आशुतोष शुक्ला ने अर्पित किए पुष्प

उन्नाव। भगवंत नगर क्षेत्र की हड़हा ग्रामसभा में स्वर्गीय राजेंद्र कुमार मिश्रा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक आशुतोष शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित हुए और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में विधायक ने कहा कि स्व. मुन्ना मिश्रा का जीवन समाज सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित रहा। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील की कि उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाजहित में कार्य करना सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर शिक्षक विधायक राजबहादुर सिंह चंदेल, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी सहित अनेक गणमान्य एवं स्नेहीजन मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की। कार्यक्रम में भावपूर्ण माहौल देखने को मिला और उपस्थित जनसमूह ने स्व. मुन्ना मिश्रा को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक आशुतोष शुक्ला ने कहा कि समाज और क्षेत्र के लिए किए गए उनके योगदान को याद रखना और उसे आगे बढ़ाना ही उनकी स्मृति का सर्वोत्तम सम्मान है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय नागरिकों ने उनकी याद में दीप प्रज्वलित कर सम्मान व्यक्त किया।

जिलाधिकारी गौरांग राठी ने की आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण की सख्त समीक्षा

- जन शिकायतों/ आईजीआरएस/ संपूर्ण समाधान दिवस में गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण को लेकर अधिकारियों को चेताया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में जन शिकायतों/ आईजीआरएस/ संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को आईजीआरएस की शिकायतों को गंभीरता और प्राथमिकता के साथ निस्तारित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारी कार्यालय में आने के बाद सबसे पहले आईजीआरएस की समीक्षा करें

और लंबित संदर्भ व असंतुष्ट फीडबैक के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी तहसीलों, विकासखंडों और संबंधित विभागों में आईजीआरएस सेल गठित करने के आदेश दिए।

तहसील स्तर पर गठित सेल में तहसीलदार प्रभारी होंगे, जबकि उपजिलाधिकारी साप्ताहिक समीक्षा करेंगे। विकासखंडों में खंड विकास अधिकारी अध्यक्षता में सेल काम करेगा। विभागीय स्तर पर आईजीआरएस सेल में विभागीय अधिकारी, एक अधीनस्थ अधिकारी और एक कंप्यूटर ऑपरेटर शामिल होंगे।

जिलाधिकारी ने बीघापुर, पूर्वा और बांगरमऊ तहसीलों की आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में कमी पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। बेसिक शिक्षा, प्रोबेशन और विद्युत विभागों में भी असंतुष्ट फीडबैक और अपलोड की गई आख्या में गुणवत्ता की कमी मिलने पर अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायत का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए, शिकायतकर्ता से फीडबैक लिया जाए और अपलोड की जाने वाली आख्या पूरी तरह सटीक हो।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी सुबह 10 से 12 बजे तक अपने कार्यालय में बैठकर जन शिकायतों को सुनें और उनका समाधान करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी कृतिराज, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड़, न्यायिक अमिताभ यादव, परियोजना निदेशक तेजवंत सिंह, जिला विकास अधिकारी देव चतुर्वेदी, उपजिलाधिकारी रामदेव निषाद, सचिव उन्नाव विकास प्राधिकरण शुभम यादव, पशु चिकित्सा अधिकारी विनोद कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

शुद्धि पत्र-3

विषय: निविदा प्रपत्र संख्या: 2026 ए.एम.वी.-सी एंड डब्ल्यू ई/निविदा -02 का शुद्धि पत्र।

सन्दर्भ: निविदा सूचना संख्या 2026 ए.एम.वी.- सी एंड डब्ल्यू ई निविदा - 02 दिनांक 05.01.2026 खुलने की तिथि 12.03.2026

उपरोक्त निविदा के सन्दर्भ में निविदा प्रपत्र में निम्नलिखित परिवर्तन किया गया है।

S. No.	Clause	Description
1.	Tender Closing Date and Time	Up to 15:00 Hrs. on 18.03.2026.

अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in पर upload कर दिया गया है।

संख्या: 2026 ए.एम.वी.-सी एंड डब्ल्यू ई/निविदा-02 दिनांक: 23.02.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

603/2026

थाना पढुवा क्षेत्र में दो सड़क हादसे, दो की मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। थाना पढुवा क्षेत्र में सोमवार सुबह हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक छात्र और एक वाहन चालक की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। घटनाओं के बाद प्रशासन ने त्वरित संज्ञान लेते हुए राहत एवं उपचार व्यवस्था की कमान संभाल ली। दुर्गा शक्ति नागपाल (डीएम), डॉ ख्याति गर्ग (एसपी) व डॉ संतोष गुप्ता (सीएमओ) स्वयं जिला चिकित्सालय ओयल पहुंचे। उन्होंने घायलों का हालचाल जाना और चिकित्सकों से उपचार की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह व एएसपी पवन गौतम सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। पहली दुर्घटना तहसील धौरहरा के ग्राम रमियाबेहड़ के पास हुई, जहां बोर्ड परीक्षा देने जा रहे छात्रों की वैन की सामने से आ रहे ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में बेलपुरवा निवासी 17 वर्षीय छात्र चंचल पुत्र विवान की मौत हो गई, जबकि चार छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। दूसरी दुर्घटना तहसील निघासन के ग्राम प्रसादीपूर्वा में हुई, जहां दो बसों की आमने-सामने टक्कर में छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को सीएचसी रमियाबेहड़ से जिला अस्पताल ओयल भेजा गया। सीएमएस डॉ आरके कोली ने बताया कि दोनों हादसों में कुल 16 घायल जिला अस्पताल पहुंचे, जिनमें एक वाहन चालक की रास्ते में ही मृत्यु हो गई। अस्पताल में भर्ती 15 घायलों में से 12 का उपचार विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा किया जा रहा है, जबकि तीन गंभीर घायलों को एएलएस एंबुलेंस से लखनऊ रेफर किया गया है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। एसपी डॉ ख्याति गर्ग ने भी परिजनों को आश्वस्त किया कि प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ सहायता प्रदान करेगा। सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी धौरहरा शशिकांत मणि और एसडीएम निघासन राजीव निगम मौके पर पहुंचकर राहत कार्यों की निगरानी में जुट गए। दोनों दुर्घटनाओं के संबंध में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

शेरपुर में दिखी बारासिंघा और हिरण की जोड़ी, ग्रामीणों ने की सुरक्षा की मांग

गोला गोकर्णनाथ खीरी। महेशपुर वन रेंज अंतर्गत थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्राम शेरपुर में उस समय ग्रामीणों में उत्साह और चर्चा का माहौल बन गया, जब बारासिंघा और हिरण की एक जोड़ी विनोद कुमार मिश्रा के खेत में हरा चारा बरसीम चरती हुई दिखाई दी। ग्रामीण शरद मिश्रा ने इस दुर्लभ दृश्य को अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया। फोटो सामने आने के बाद क्षेत्र में वन्यजीवों की मौजूदगी को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी है। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के जिला अध्यक्ष अंजनी दीक्षित ने कहा कि क्षेत्र में लगातार हिरण और बारासिंघा दिखाई पड़ रहे हैं। उन्होंने वन विभाग से इन वन्यजीवों की सुरक्षा और नियमित निगरानी की मांग की। उनका कहना है कि पहले खेतों में बाघ की दहशत बनी रहती थी, लेकिन पिछले कुछ समय से बाघ की कोई सूचना नहीं मिली है।

मैलानी नगर में निकली भव्य खाटू श्याम निशान यात्रा, भक्तिमय हुआ माहौल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मैलानी खीरी। नगर में खाटू श्याम समिति द्वारा भव्य खाटू श्याम निशान यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ सिद्धिविनायक पब्लिक स्कूल के सामने मुख्य द्वार से हुआ, जहां श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई तथा पेयजल की विशेष व्यवस्था की गई। इसके पश्चात यात्रा नगर पंचायत मैलानी पहुंची, जहां श्रद्धालुओं के स्वागत में पुष्प वर्षा एवं शीतल पेयजल की समुचित व्यवस्था की गई। निशान यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए शोभायात्रा के रूप में आगे बढ़ी और निर्धारित स्थल पर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं के लिए जलपान, हलवा, गुलाब जामुन एवं शीतल जल की व्यवस्था की गई। पूरे नगर में दिनभर भक्तिमय वातावरण बना रहा। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने प्रसाद वितरण कर सेवा भाव का परिचय दिया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति माहेश्वरी एवं उनके पति समाजसेवी भवानी शंकर माहेश्वरी ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया। पवन मित्तल, सेवा मित्तल, अग्रवाल, गुरमीत कौर, सुभाष गोयल, कुशवाहा जी, बाबुल दास सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में समिति की ओर से सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

नहर किनारे चला स्वच्छता अभियान, निरंकारी मिशन ने दिया 'स्वच्छ जल-स्वच्छ मन' का संदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। संत निरंकारी मिशन के 'प्रोजेक्ट अमृत' के तृतीय चरण के अंतर्गत राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत गोला शाखा द्वारा अलीगंज रोड स्थित नहर किनारे व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा विधायक एवं मुखी बहन प्रमिला खुराना ने नहर की सफाई कर किया। अभियान के दौरान निरंकारी सेवा दल के जवानों व बहनों ने नहर के दोनों किनारों पर फैली झाड़ियों को हटाया, झाड़ू लगाकर सफाई की और रंगोली बनाकर युवाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर सत्संग का आयोजन भी किया गया, जिसमें स्वच्छता और जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया। बताया गया कि संत निरंकारी मिशन ने बाबा हरदेव सिंह महाराज की प्रेरणादायक शिक्षाओं से प्रेरित होकर वर्ष 2023 में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 'प्रोजेक्ट अमृत' का शुभारंभ किया था। इस पहल का उद्देश्य जल स्रोतों की स्वच्छता के साथ-साथ जल संरक्षण के प्रति समाज में जागरूकता विकसित करना है। यह अभियान नदियों, झीलों, तालाबों, कुओं और झरनों जैसे प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण को समर्पित है।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय संचालक रंजीत सिंह, संचालक लालजी प्रसाद, शिक्षक राम नरेश सोनी, हरमोहन सिंह खुराना, सोनू खुराना, तेज राम वर्मा, उमाशंकर सोनी, प्रेम रस्तोगी, शिवकुमार, शिवम, अभय सिंह, सुधा, शालिनी खुराना, रीता, ऋतु रस्तोगी, सनी सहित बड़ी संख्या में निरंकारी सेवा दल के जवान, बहनें एवं बच्चे उपस्थित रहे।

ट्रिपल राइडिंग व बिना हेल्मेट फर्राटा भर रहे लोगों के चालान

गोला गोकर्णनाथ खीरी। आगामी त्योहारों के मद्देनज़र शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया यह कार्रवाई पुलिस क्षेत्राधिकारी रमेश कुमार तिवारी एवं प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह के निर्देश पर की गई। लखीमपुर रोड स्थित पुलिस चौकी नानक के पास विशेष चेकिंग अभियान के दौरान ट्रिपल राइडिंग करने तथा बिना हेल्मेट तेज रफ्तार से बाइक चलाने वालों को रोका गया। पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करते पाए गए लगभग एक दर्जन से अधिक वाहन चालकों के चालान काटे। पुलिस चौकी नानक प्रभारी ने बताया कि त्योहारों के दौरान सड़क सुरक्षा और जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और हेल्मेट पहनकर ही वाहन चलाने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत उन्नाव में 5 प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट स्थापित

उन्नाव। स्वच्छता को बढ़ावा देने की दिशा में जनपद उन्नाव में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत पांच विकास खंडों की ग्राम पंचायतों में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों की स्थापना की गई है। यह पहल स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत की गई है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरे के निस्तारण को सुव्यवस्थित किया जा सके। जिला प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार निम्नलिखित ग्राम पंचायतों में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट स्थापित की गई हैं– विकास खंड फतेहपुर चौरासी की ग्राम पंचायत सैता, विकास खंड नवाबगंज की ग्राम पंचायत कुशुम्भी, विकास खंड सिकंदरपुर कर्ण की ग्राम पंचायत मगरवारा, विकास खंड गंजमुरादाबाद की ग्राम पंचायत ब्योली इस्लामाबाद, विकास खंड सुमेरपुर की ग्राम पंचायत सराय मनिहार, इन इकाइयों में प्लास्टिक अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण हेतु फटका बेलिंग मशीन एवं श्रेडिंग मशीन स्थापित की गई हैं, जिनके माध्यम से प्लास्टिक कचरे को प्रोसेस कर पुनर्चक्रण योग्य बनाया जाएगा।

उन्नाव टीम बनी प्रांतीय कबड्डी प्रतियोगिता की उपविजेता

उन्नाव। खिलाड़ियों ने विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल अवध प्रांत के तत्वाधान में आयोजित प्रांतीय कबड्डी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का खिताब अपने नाम किया। उन्नाव से विश्व हिंदू परिषद के मंत्री सुनील गुप्ता ने यह जानकारी दी प्रतियोगिता पुलिस लाइन ग्राउंड, बाराबंकी में दिनांक 21 एवं 22 फरवरी 2026 को आयोजित हुई, जिसमें लगभग 25 टीमों ने हिस्सा लिया। उन्नाव की टीम में नैमिष, अक्षय, हिमांशू कुमार, सुभाष, यश पांडेय, हर्षित बाजपेई, उज्जल, हिमांशु, अंश शर्मा, आकाश एवं हर्षित सोनकर जैसे खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। टीम के कोच के रूप में कृष्ण प्रताप सिंह एवं आयुष कुमार गुप्ता मौजूद रहे और उन्होंने अपनी टीम का मार्गदर्शन किया। उन्नाव की टीम ने अपनी जीत का सिलसिला शुरू किया और रायबरेली जिला को 22-27 से, लखनऊ पश्चिम जिला को 02-45 से मात दी। सेमीफाइनल में बाराबंकी जिले को 22-25 से हराकर टीम ने फाइनल में अपनी जगह बनाई। फाइनल मुकाबला अयोध्या ग्रामीण और उन्नाव के बीच अत्यंत रोमांचक रहा। पूरे मुकाबले में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, लेकिन अंत में उन्नाव की टीम 13-16 से हारकर उपविजेता रही। प्रतियोगिता में उन्नाव टीम की इस उपलब्धि ने स्थानीय खेल प्रेमियों में उत्साह और गर्व का वातावरण बना दिया।

अंडर-16 जनपदीय क्रिकेट लीग के विजेताओं को किया सम्मानित

उन्नाव। सिविल लाइन स्थित प्रकाश गेस्ट हाउस में जिला क्रिकेट एसोसिएशन उन्नाव द्वारा आयोजित अंडर-16 जनपदीय क्रिकेट लीग 2025-26 के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक पंकज गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। समारोह के दौरान आयोजक संजय कुमार राठी ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया। अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं जिले की क्रिकेट प्रतिभाओं को निखारने में महत्वपूर्ण कड़ी साबित होती हैं। जमीनी स्तर पर आयोजित ऐसे टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का मजबूत आधार प्रदान करते हैं। इस अवसर पर विजेता एवं उपविजेता टीमों को प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विधायक ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में महामंत्री पी.के. मिश्रा, धन्वतरी देव गुप्ता, अरविंद कुमार श्रीवास्तव, राजेंद्र कुमार त्रिपाठी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सिंगाही पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सिंगाही खीरी। सिंगाही पब्लिक स्कूल में सोमवार को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक प्रार्थना से हुआ, जिसके बाद छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिंगाही थानाध्यक्ष मनीष कुमार उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रबंधक आलोक कुमार श्रीवास्तव ने उन्हें पुष्पगुच्छ एवं वेलकम बैज लगाकर सम्मानित किया। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पढ़ाई के गुर बताए और अनुशासन व मेहनत के महत्व पर प्रकाश डाला। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में बच्चों ने ‟दादी अम्मा दादी अम्मा मान जाओ नाङ्क गीत पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। श्रावणी पुरवार ने हरियाणवी गीत पर मनमोहक प्रस्तुति दी। इसके अलावा देशभक्ति एवं धार्मिक गीतों की प्रस्तुतियों ने भी समां बांध दिया। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय प्रबंधन द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन अध्यापक फरीद अहमद ने किया।

इस अवसर पर श्रीराम सिंह, मदन गोपाल वर्मा, सभासद राहुल गुप्ता, सूरज कनौजिया, जोगेंद्र शाक्य, विवेक श्रीवास्तव, रमन जायसवाल, ऋषभ जैन, दीपिका मिश्रा, हर्षिता मिश्रा, रोहिणी गुप्ता सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वर्षा गुप्ता 'संप्रभा' को ''रामदास सिंह युवा कवयित्री सम्मान से किया गया सम्मानित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। बाँदा के सुदामापुरी की नवोदित साहित्यकार एवं समाजसेविका वर्षा गुप्ता 'संप्रभा' को बीएमएन सेवा संस्थान, लखनऊ द्वारा ‟रामदास सिंह युवा कवयित्री सम्मानङ्क से सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में देशभर से सैकड़ों प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई थीं, जिनमें से वर्षा गुप्ता का चयन उनकी उत्कृष्ट साहित्यिक उपलब्धियों एवं रचनात्मक योगदान के आधार पर किया गया। बी.एम.एन सेवा संस्थान, लखनऊ द्वारा उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के निराला सभागार में सम्मान समारोह 2025 का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मनोज कांत (निदेशक, राष्ट्रधर्म पत्रिका एवं सह क्षेत्र प्रचार प्रमुख, आरएसएस), पवन सिंह (सदस्य विधान परिषद), कामेश्वर सिंह (अध्यक्ष, भाजपा किसान मोर्चा) तथा श्रीप्रकाश गुप्ता (आईएएस) उपस्थित रहे। वर्षा गुप्ता 'संप्रभा' साहित्य के साथ-साथ समाजसेवा के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं। वे कंटेम्प्रेरी लिटरेरी सोसाइटी ऑफ अमलोर की अध्यक्षा हैं और पिछले कई वर्षों से साहित्य एवं समाजोन्मुखी गतिविधियों में निरंतर कार्यरत हैं। उनकी रचनाएँ मुख्यतः राष्ट्रप्रेम, मानवीय संवेदनाओं एवं आदर्श समाज-निर्माण को समर्पित रहती हैं। वे पूर्व में भी अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित हो चुकी हैं। वे अपने पति डॉ. बृजेश कुमार गुप्ता को अपना प्रेरणास्रोत मानते हुए निरंतर साहित्य सेवा में संलग्न हैं। आयोजक/संयोजक अमित कुमार मल्ल ने कहा कि वर्षा गुप्ता 'संप्रभा' की रचनाएँ पाठकों के मन और हृदय को स्पर्श करती हैं। उनके जैसे साहित्यकार ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनते हैं और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को सशक्त करते हुए राष्ट्र को पुनः विश्वगुरु बनाने में योगदान देते हैं।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें!

होली विशेष रेलगाड़ियों – 2026 की संख्या में वृद्धि

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए आगामी होली त्यौहार के दौरान पहले से ही घोषित अनेक होली विशेष रेलगाड़ियों के अलावा रेलवे द्वारा निम्नलिखित होली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:–

09189/09190 मुंबई सेंट्रल – कटिहार – मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी विशेष किराए पर (साप्ताहिक) — 11 फेरे

गाड़ी सं. 09189 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 09190 आगमन	प्रस्थान
—	10:55	मुंबई सेंट्रल	18:40	—
13:45	13:55	लखनऊ	16:25	16:35
07:30	—	कटिहार	—	00:15

चलने के दिन: 09189 मुंबई सेंट्रल से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 28.02.2026 से 28.03.2026 तक और 09190 कटिहार से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 24.02.2026 से 31.03.2026 तक।
ठहराव: बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत (केवल रेलगाड़ी सं. 09189 के लिए), भरूच, वडोदरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, मनकापुर, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया, सीवान, छपरा, हाजीपुर, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया एवं नौगछिया स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता, 3 टियर वाता, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

09183/09184 मुंबई सेंट्रल – बनारस – मुंबई सेंट्रल वातानुकूलित एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी विशेष किराए पर (साप्ताहिक) — 08 फेरे

गाड़ी सं. 09183 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 09184 आगमन	प्रस्थान
—	22:30	मुंबई सेंट्रल	04:20	—
04:15	04:25	लखनऊ	21:15	21:25
10:30	—	बनारस	—	14:30

चलने के दिन: 09183 मुंबई सेंट्रल से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 04.03.2026 से 25.03.2026 तक और 09184 बनारस से प्रत्येक शुक्रवार को दिनांक 06.03.2026 से 27.03.2026 तक।
ठहराव: बोरीवली, पालघर, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर, ईदगाह, टूण्डला, शिकोहाबाद, मैनपुरी, भोगांव, फर्रुखाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, रायबरेली जं., अमेठी, प्रतापगढ़, जंघई जं. एवं भदोही स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता, 2 टियर वाता, 3 टियर वाता, 3 टियर इकोनॉमी।

09111/09112 वडोदरा – गोरखपुर – वडोदरा एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी विशेष किराए पर (साप्ताहिक) — 09 फेरे

गाड़ी सं. 09111 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 09112 आगमन	प्रस्थान
—	19:00	वडोदरा	08:35	—
18:15	18:30	लखनऊ	10:30	10:40
23:30	—	गोरखपुर	—	05:00

चलने के दिन: 09111 वडोदरा से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 02.03.2026 से 23.03.2026 तक और 09112 गोरखपुर से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 25.02.2026 से 25.03.2026 तक।
ठहराव: गोधरा जं., रतलाम जं., कोटा, सवाईमाधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर, ईदगाह, टूण्डला जं., शिकोहाबाद जं., मैनपुरी जं., फर्रुखाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा एवं बस्ती स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता, 2 टियर वाता, 3 टियर वाता, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

09195/09196 वडोदरा – मऊ – वडोदरा सुपर फास्ट एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी विशेष किराए पर (साप्ताहिक) — 10 फेरे

गाड़ी सं. 09195 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 09196 आगमन	प्रस्थान
—	19:00	वडोदरा	00:45	—
13:15	13:20	लखनऊ	05:30	05:35
20:45	—	मऊ	—	23:15

चलने के दिन: 09195 वडोदरा से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 28.02.2026 से 28.03.2026 तक और 09196 मऊ से प्रत्येक रविवार को दिनांक 01.03.2026 से 29.03.2026 तक।
ठहराव: गोधरा जं. (केवल रेलगाड़ी सं. 09195 के लिए), दाहोद, रतलाम जं., कोटा जं., बयाना जं., आगरा फोर्ट, टूण्डला जं., कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर एवं वाराणसी स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता, 2 टियर वाता, 3 टियर वाता, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

09075/09076 मुंबई सेंट्रल – काठगोदाम – मुंबई सेंट्रल सुपर फास्ट एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी विशेष किराए पर (साप्ताहिक) — 10 फेरे

गाड़ी सं. 09075 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 09076 आगमन	प्रस्थान
—	10:55	मुंबई सेंट्रल	21:00	—
10:45	10:50	बरेली जं.	20:42	20:47
14:30	—	काठगोदाम	—	17:30

चलने के दिन: 09075 मुंबई सेंट्रल से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 25.02.2026 से 25.03.2026 तक और 09076 काठगोदाम से प्रत्येक गुरुवार को दिनांक 26.02.2026 से 26.03.2026 तक।
ठहराव: बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, मथुरा, हाथरस सिटी, कासगंज, बदायूं, बरेली जं., बरेली सिटी, इज्जतनगर जं., बहेड़ी, किच्छा, लालकुआं जं. एवं हल्द्वानी स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता, 3 टियर वाता, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

09309/09310 इंदौर – हजरत निजामुद्दीन – इंदौर सुपर फास्ट एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी विशेष किराए पर (द्वि-साप्ताहिक) — 18 फेरे

गाड़ी सं. 09309 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 09310 आगमन	प्रस्थान
—	17:00	इंदौर	21:00	—
05:00	—	हजरत निजामुद्दीन	—	08:20

चलने के दिन: 09309 इंदौर से प्रत्येक शुक्रवार व रविवार को दिनांक 27.02.2026 से 27.03.2026 तक और 09310 हजरत निजामुद्दीन से प्रत्येक शनिवार व सोमवार को दिनांक 28.02.2026 से 28.03.2026 तक।
ठहराव: देवास, उज्जैन जं., नागदा जं., शामगढ़, रामगंज मंडी, कोटा जं., सवाई माधोपुर जं., गंगापुर सिटी, भरतपुर जं. एवं मथुरा जं. स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता, 3 टियर वाता, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

09425/09426 साबरमती – हरिद्वार – साबरमती एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी विशेष किराए पर (साप्ताहिक) — 09 फेरे

गाड़ी सं. 09425 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 09426 आगमन	प्रस्थान
—	16:45	साबरमती	22:30	—
14:00	14:10	दिल्ली जं.	04:30	04:40
20:30	—	हरिद्वार	—	21:45

चलने के दिन: 09425 साबरमती से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 02.03.2026 से 23.03.2026 तक और 09426 हरिद्वार से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 24.02.2026 से 24.03.2026 तक।
ठहराव: महेसाणा जं., पालनपुर जं., आबू रोड, पिंडवाड़ा, जवाई बांध, फालना, रानी, मारवाड़ जं., ब्यावर, अजमेर जं., किशनगढ़, जयपुर जं., गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई जं., अलवर जं., रेवाड़ी जं., गुड़गांव, दिल्ली छावनी, दिल्ली जं., गाजियाबाद, मेरठ सिटी, मुजफ्फर नगर एवं रुड़की स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता, 3 टियर वाता, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

04414/04413 हजरत निजामुद्दीन – मथुरा जं. – हजरत निजामुद्दीन अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी — 10 फेरे

गाड़ी सं. 04414 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04413 आगमन	प्रस्थान
—	10:30	हजरत निजामुद्दीन	17:45	—
13:00	—	मथुरा जं.	—	14:30

चलने के दिन: 04414 हजरत निजामुद्दीन और 04413 मथुरा जं. से दिनांक 27.02.2026 से 03.03.2026 तक (प्रतिदिन)।
ठहराव: ओखला, तुगलकाबाद, फरीदाबाद, फरीदाबाद न्यू टाउन, बल्लभगढ़, असावटी, पलवल, शोलाका, कोसी कलां, छाता, वृन्दावन रोड एवं भूतेश्वर स्टेशन।
स्थान: सामान्य श्रेणी।

05575/05576 सहरसा जं. – आनंद विहार (ट) – सहरसा जं. एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 03 फेरे

गाड़ी सं. 05575 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 05576 आगमन	प्रस्थान
—	20:00	सहरसा जं.	10:30	—
18:32	18:34	बरेली जं.	10:38	10:40
01:06	—	आनंद विहार (ट)	—	05:15

चलने के दिन: 05575 सहरसा जं. से दिनांक 11.03.2026 (बुधवार) को और 05576 आनंद विहार (ट) से दिनांक 10.03.2026 एवं 17.03.2026 (मंगलवार) को।
ठहराव: गढ़ बरुआरी, सुपौल, सरायगढ़, निर्मली, घोघरडीहा, झंझारपुर जं., सकरी जं., सीतामढ़ी, जनकपुर रोड, सीतामढ़ी, बैरगनिया, रक्सौल जं., नरकटियागंज जं., बगहा, कप्तानगंज जं., गोरखपुर, बस्ती, गोंडा जं., सीतापुर जं., शाहजहांपुर, बरेली जं., मुरादाबाद, हापुड़ एवं गाजियाबाद स्टेशन।
स्थान: 3 टियर वाता, इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

05579/05580 पूर्णिया कोर्ट – आनंद विहार (ट) – पूर्णिया कोर्ट एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में 4 दिन) — 13 फेरे

गाड़ी सं. 05579 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 05580 आगमन	प्रस्थान
—	16:30	पूर्णिया कोर्ट	13:45	—
18:32	18:34	बरेली जं.	10:38	10:40
01:06	—	आनंद विहार (ट)	—	05:15

चलने के दिन: 05579 पूर्णिया कोर्ट से मंगलवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार को दिनांक 08.03.2026 से 15.03.2026 तक और 05580 आनंद विहार (ट) से गुरुवार, रविवार, सोमवार, शुक्रवार को दिनांक 08.03.2026 से 16.03.2026 तक।
ठहराव: बनमनखी जं., मुरलीगंज, दौरम मधेपुरा, सहरसा जं., गढ़ बरुआरी, सुपौल, सरायगढ़, निर्मली, घोघरडीहा, झंझारपुर जं., सकरी जं., शिशो, जनकपुर रोड, सीतामढ़ी, बैरगनिया, रक्सौल जं., नरकटियागंज जं., बगहा, कप्तानगंज जं., गोरखपुर, बस्ती, गोंडा जं., सीतापुर जं., शाहजहांपुर, बरेली जं., मुरादाबाद, हापुड़ एवं गाजियाबाद स्टेशन। स्थान: 3 टियर वाता, इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

03293/03294 पटना जं. – नई दिल्ली – पटना जं. एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 24 फेरे

गाड़ी सं. 03293 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 03294 आगमन	प्रस्थान
—	21:00	पटना जं.	12:25	—
12:50	—	नई दिल्ली	—	14:15

चलने के दिन: 03293 पटना जं. से दिनांक 05.03.2026 से 15.03.2026 तक (प्रतिदिन) और 03294 नई दिल्ली से दिनांक 06.03.2026 से 16.03.2026 तक (प्रतिदिन)।
ठहराव: दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., सूबेदारगंज एवं गोविंदपुरी स्टेशन।
स्थान: 3 टियर वाता, 3 टियर वाता इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

02397/02398 शेखपुरा – नई दिल्ली – शेखपुरा एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 02 फेरे

गाड़ी सं. 02397 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 02398 आगमन	प्रस्थान
—	11:30	शेखपुरा	14:45	—
11:40	—	नई दिल्ली	—	13:30

चलने के दिन: 02397 शेखपुरा से रविवार दिनांक 01.03.2026 को और 02398 नई दिल्ली से सोमवार दिनांक 02.03.2026 को।
ठहराव: वारिसलीगंज, नवादा, तिलैया, गया जं., अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज जं., गोविंदपुरी एवं टूण्डला जं. स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता, 2 टियर वाता, 3 टियर वाता, 3 टियर वाता इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

03697/03698 शेखपुरा – नई दिल्ली – शेखपुरा एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में 4 दिन) — 06 फेरे

गाड़ी सं. 03697 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 03698 आगमन	प्रस्थान
—	11:30	शेखपुरा	14:45	—
11:40	—	नई दिल्ली	—	13:30

चलने के दिन: 03697 शेखपुरा से सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, शनिवार को दिनांक 27.02.2026 से 02.03.2026 तक और 03698 नई दिल्ली से मंगलवार, बुधवार, शनिवार, रविवार को दिनांक 28.02.2026 से 03.03.2026 तक।
ठहराव: वारिसलीगंज, नवादा, तिलैया, गया जं., अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज जं., गोविंदपुरी एवं टूण्डला जं. स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता, सह 3 टियर वाता, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

नोट: रेलगाड़ी सं. 02397/02398/03697/03698 का आगमन/प्रस्थान स्टेशन दिनांक 02.03.2026 तक नई दिल्ली और उसके बाद यह आनंद विहार (ट) होगा।

03639/03640 धनबाद जं. – शकूरबस्ती – धनबाद जं. एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (द्वि-साप्ताहिक) — 04 फेरे

गाड़ी सं. 03639 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 03640 आगमन	प्रस्थान
—	18:30	धनबाद जं.	23:45	—
18:10	—	शकूरबस्ती	—	21:10

चलने के दिन: 03639 धनबाद जं. से सोमवार व शुक्रवार को दिनांक 06.03.2026 से 09.03.2026 तक और 03640 शकूरबस्ती से मंगलवार व शनिवार को दिनांक 07.03.2026 से 10.03.2026 तक।
ठहराव: गोमोह जं., पारसनाथ, हजारीबाग रोड, कोडरमा, गया जं., अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज जं., गोविंदपुरी एवं दिल्ली जं. स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता, 3 टियर वाता, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर विजिट करें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

इंग्लैंड और पाकिस्तान के मुकाबले में फोकस स्पिनरों पर

एजेंसी

पाल्लेकल। धीमे गेंदबाजों की मददगार पिच पर इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीमें टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में मंगलवार को जब आमने सामने होंगी तो फोकस स्पिन गेंदबाजों पर रहेगा। इंग्लैंड की टीम अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकी है लेकिन दो बार की चैम्पियन टीम जीत की राह पर लौटी है। सुपर आठ चरण के पहले मैच में श्रीलंका को 51 रन से हराया जिससे उसका नेट रनरेट भी बेहतर हुआ है और वह तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। श्रीलंका के खिलाफ कम स्कोर का बचाव करते हुए इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने हालात के अनुरूप खेला। उसके स्पिनरों ने अपने

काम को बखूबी अंजाम दिया जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी उपयोगी रहे। लेग स्पिनर आदिल रशीद और बायें हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन को भी विकेट मिले। विल जैक्स ने अच्छी आफ स्पिन गेंदबाजी के अलावा जरूरत पड़ने पर उपयोगी पारियां भी खेली है और कई बार इंग्लैंड को संकट से निकाला। सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट श्रीलंका के खिलाफ उम्दा पारी खेलकर फॉर्म में लौटे हैं। टूर्नामेंट में पहली बार उन्होंने पावरप्ले के बाद तक बल्लेबाजी की। जोस बटलर का फॉर्म चिंता का सबब बना हुआ है लेकिन उन्हें कप्तान हैरी ब्रूक का समर्थन हासिल है। इंग्लैंड ने इस महीने की शुरूआत में इस मैदान पर तीन मैचों की टी20 श्रृंखला 3 . 0 से जीती थी। ब्रूक ने श्रीलंका को हराने के बाद कहा ,'' अभी तक हम बल्लेबाजी में परफ़ेक्ट खेल नहीं दिखा सके हैं। हमें अच्छी शुरूआत और बड़े स्कोर नहीं मिले। मुझे लगता है कि बहुत जल्दी वह होगा। जोस बटलर, जैकब बेथेल और मैं खुद बड़े स्कोर नहीं बना सके हैं लेकिन इसके बावजूद हम जीतने में कामयाब रहे। दूसरी ओर पाकिस्तान का न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला सुपर आठ मैच बारिश में धुल गया जिससे अब उसे दोनों मैच जीतने होंगे।उसके पास उस्मान तारिक, सईम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे अच्छे स्पिनर हैं। बल्लेबाजी हालांकि चिंता का सबब है , खासकर अच्छे स्पिनरों के खिलाफ वे टिक नहीं पा रहे।

टीमें : इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बेंटोन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल साल्ट, जैकब बेथेल, सैम कुरेन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जैमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल रशीद, जोश टंग, ल्यूक वुड। पाकिस्तानः सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफ़े, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्ज़ा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

अति आत्मविश्वासी भारत को अहं त्याग कर परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहिए: गावस्कर

एजेंसी

अहमदाबाद। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी20 विश्व कप के मैच से सबक लेकर अपने अहं का त्याग करना चाहिए और अति आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरकर हर गेंद को बाउंड्री लाइन के बाहर भेजने के बजाय परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहिए। भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बल्लेबाजों की नाकामी के कारण सुपर आठ के महत्वपूर्ण मुकाबले में 76 रन से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। गावस्कर ने जिओ स्टार से कहा, ''भारतीय बल्लेबाजों को ब्रेविस और मिलर की साझेदारी से सीख लेकर इस तरह का दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत थी। भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसा नहीं किया। वे अति आत्मविश्वास के साथ उतरे, हर गेंद पर बल्ला चलाया और

विकेट गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका खेल के हर विभाग में भारत से अव्वल साबित हुआ। दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और एक समय उसका स्कोर तीन विकेट पर 20 रन था लेकिन इसके बाद मिलर और ब्रेविस ने 97 रन की साझेदारी की जिससे दक्षिण अफ्रीका सात विकेट पर 187 रन बनाने में सफल रहा। इसके जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर आउट हो गई। गावस्कर ने कहा, ''भारत ने दक्षिण अफ्रीका से कोई सबक नहीं लिया। भारतीय बल्लेबाज क्रीज पर उतर कर हर गेंद को बाउंड्री लाइन के बाहर पहुंचाने का प्रयास कर रहे थे। टी20 क्रिकेट ऐसे नहीं खेला जाता। उन्होंने कहा, ''आपको विपक्षी टीम से सीख लेनी चाहिए थी। अगर उन्होंने इस तरह की मुश्किल पिच पर अच्छा स्कोर किया है तो आपको अपना अहं त्यागकर उनकी पारी का विश्लेषण करना चाहिए था और परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। भारत ने पावर प्ले के अंदर अपने शीर्ष तीन बल्लेबाजों ईशान किशन (00), अभिषेक शर्मा (15) और तिलक वर्मा (01) के विकेट गंवा दिये थे। गावस्कर ने कहा, ''तिलक वर्मा बेहद चतुर बल्लेबाज है लेकिन इस मैच में उनके खेलने के तरीके से मैं निराश था। तिलक को क्रीज पर कुछ समय बिताना चाहिए था। उन्हें साझेदारी निभाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए था। भारत का अगला मुकाबला जिंबॉब्वे से होगा और गावस्कर ने कहा कि वह अक्षर पटेल को अंतिम एकादश में देखना चाहते हैं। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया।

संक्षिप्त समाचार

खराब फॉर्म से जूझ रहे एक बल्लेबाज को बाहर कर सकती है भारतीय टीम

अहमदाबाद। भारतीय टीम प्रबंधन खराब फॉर्म में चल रहे तीन में से कम से कम एक बल्लेबाज को बाहर कर सकता है जबकि शीर्षक्रम में कई खब्बू बल्लेबाजों को उतारने की अपनी रणनीति की भी समीक्षा करेगा। मुख्य कोच गौतम गंभीर के सहयोगी रियान टेन डोइशे और सितांशु कोटक ने यह संकेत दिये। दक्षिण अफ्रीका ने टी20 विश्व कप सुपर आठ मुकाबले में भारत को 76 रन से हराया। अब भारत को अगले दोनों मैच जीतने होंगे लिहाजा टीम प्रबंधन को अभिषेक शर्मा (चार मैचों में 15 रन) और तिलक वर्मा (पांच मैचों में 107 रन) के प्रदर्शन पर विचार करना होगा। रिंकू सिंह भी फिनिशर की भूमिका नहीं निभा सके हैं और 29 गेंदों में 82 . 75 की स्ट्राइक रेट से 24 रन बनाये हैं। बल्लेबाजी कोच कोटक ने कहा ,'' अगर मुख्य कोच और टीम प्रबंधन को लगता है कि हमें कुछ अलग करना होगा तो हम करेंगे। अब इस पर विचार हो रहा है कि अगर हमें बदलाव करना है तो वह क्या होगा और कैसे होगा। उन्होंने कहा ,'' अब हम ऐसे मुकाम पर पहुंच गए हैं कि हमें यह सोचना होगा कि कुछ अलग करना है या उसी संयोजन से काम करना है। वहीं टेन डोइशे ने स्वीकार किया कि टीम में बैकअप में विशेषज्ञ बल्लेबाजों का अभाव चिंता का विषय है। उन्होंने कहा ,'' या तो आप उन्हीं खिलाड़ियों को चुनते हैं जो आपको लगता है कि पिछले डेढ साल में अच्छा खेल रहे हैं , भले ही अभी रन नहीं बना पा रहे हैं। या फिर बदलाव करके संजू सैमसन को लाते हैं जो शानदार खिलाड़ी है और शीर्षक्रम में दाहिने हाथ का बल्लेबाज होने से भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा ,'' अगले दो अहम मैचों से पहले सैमसन को शामिल करने के बारे में अगले कुछ दिन में बात की जायेगी। केकेआर के पूर्व हरफनमौला ने कहा कि अभिषेक और तिलक का फॉर्म टीम के लिये चिंता का विषय है। उन्होंने कहा ,'' मैं अभि या तिलक के लिये बहाना नहीं बनाऊंगा। उन्हें बहानों की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि पेट के संक्रमण से अभिषेक की तैयारियों पर काफी असर पड़ा है और वह वैसे नहीं खेल पा रहा, जैसे खेलना चाहिये था। यह पूछने पर कि उसे क्या सलाह देंगे, कोटक ने कहा ,'' बल्लेबाजी कोच होने के नाते मेरा मानना है कि उसे जरूरत से ज्यादा सलाह देने की बजाय उसके दिमाग को व्यवस्थित रहने दें।

अक्षर को बाहर रखने के फैसले को टेन डोइशे ने रणनीतिक बताया

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में उपकप्तान अक्षर पटेल को बाहर रखने के फैसले की काफी आलोचना हो रही है लेकिन भारतीय टीम के सहायक कोच रियान टेन डोइशे और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा कि यह फैसला पूरी तरह से रणनीतिक कारणों से लिया गया। दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 76 रन से हराया और वॉशिंगटन सुंदर बल्ले तथा गेंद दोनों से फ्लॉप रहे जिन्हें अक्षर की जगह उतारा गया था। टेन डोइशे ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि हमने पिछले कुछ दिन में अंतिम एकादश पर काफी मंथन किया। हम मैच अप पर विचार कर रहे थे। वैसे अक्षर को उतारने का फैसला सही लग रहा था लेकिन हमें आठवें बल्लेबाज के रूप में अक्षर की जरूरत थी। यह फैसला उसी आधार पर लिया गया। उन्होंने कहा कि अक्षर की नेतृत्व क्षमता और अहमियत हम सभी जानते हैं। इस फैसले का मतलब उसे कमतर आंकना बिल्कुल नहीं है। बल्लेबाजी कोच कोटक ने कहा कि अक्षर को मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस फैसले के बारे में अच्छी तरह समझाया था। उन्होंने आईसीसी मिश्रित जोन में कहा ,'' सूर्या और गौतम दोनों ने इस फैसले के बारे में अक्षर से बात की थी।

आसनसोल में लियोनेल मेसी की प्रतिमा का अनावरण

आसनसोल। राज्य के श्रम विधि व न्याय मंत्री मलय घटक ने रविवार की संध्या आसनसोल में भी अर्जेंटीना के विख्यात फुटबॉलर लियोनेल मेसी की प्रतिमा का अनावरण किया। आसनसोल के मोहिशीला इलाके के निवासी और मूर्तिकार सुशांत राय ने मेसी की जीवंत मोम की प्रतिमा तैयार कर शहरवासियों को एक अनोखा तोहफा दिया है। गौरतलब है कि 13 दिसंबर 2025 को कोलकाता के लेक टाउन स्थित श्रीभूमि स्पोर्टिंग क्लब द्वारा निर्मित 70 फुट ऊंची लोहे की प्रतिमा का अनावरण किया गया था। यह प्रतिमा मेसी को कतर 2022 विश्व कप जीत का जश्न मनाते हुए दर्शाती है। मेसी ने अपने गो एट इंडिया टूर 2025 के दौरान वर्चुअल माध्यम से इस प्रतिमा का उद्घाटन किया था। इस भव्य प्रतिमा को भारत में फुटबॉल के प्रति जुनून और मेसी के प्रति प्रशंसकों के प्यार का प्रतीक माना गया। इसी कड़ी में आसनसोल के मूर्तिकार सुशांत राय ने महज दो महीने की मेहनत से मेसी की मोम की प्रतिमा तैयार कर सबको चौंका दिया। यह प्रतिमा आकार में भले ही कोलकाता की 70 फुट ऊंची प्रतिमा से अलग हो, लेकिन बारीक कारीगरी और चेहरे के हाव-भाव की सजीवता इसे बेहद खास बनाती है। प्रतिमा को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। फुटबॉल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है और लोग मेसी के साथ सेल्फी लेने के लिए उत्सुक नजर आ रहे हैं।

छत्तीसगढ़ की वृद्धि दर 2025-26 में 8.11 प्रतिशत रहने का अनुमानः आर्थिक समीक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वित्त वर्ष 2025-26 में स्थिर मूल्य पर सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 8.11 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है तथा प्रति व्यक्ति आय 1,79,244 रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। विधानसभा में सोमवार को राज्य के योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा बीस सूत्रीय कार्यान्वयन विभाग के मंत्री ओ पी चौधरी ने राज्य की आर्थिक समीक्षा 2025–26 को पटल पर रखा। आर्थिक समीक्षा के अनुसार, 2025-26 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद (बाजार मूल्य) वर्ष 2024-25 के 3,31,402 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,58,293 करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है, जो 2024–25 की तुलना में 8.11 प्रतिशत की वृद्धि है। समीक्षा के अनुसार, कृषि और संबद्ध क्षेत्र के वर्ष 2024-25 के 53,928 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 57,969 करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है।

विश्व कप के बाद पहले वनडे में भारतीय महिला टीम की नजरें आस्ट्रेलिया को फिर हराने पर

ब्रिसबेन। टी20 श्रृंखला जीत चुकी मौजूदा विश्व चैम्पियन भारतीय टीम तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के पहले मैच में मंगलवार को आस्ट्रेलिया से खेलेगी तो उसे मनोवैज्ञानिक बढत हासिल होगी। भारत ने पिछले साल नवी मुंबई में विश्व कप सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया को हराया था। यह श्रृंखला इसलिये भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आस्ट्रेलिया की महानतम खिलाड़ियों में से एक एलिसा हीली इसके बाद वनडे प्रारूप से विदा लेने जा रही हैं। भारत के खिलाफ छह मार्च से पर्थ में शुरू हो रहा टेस्ट उनके कैरियर का आखिरी मैच होगा। तीन मैचों की टी20 श्रृंखला से बाहर रहने के बाद हीली की वापसी हुई है। भारत ने श्रृंखला 2 . 1 से जीती जो पिछले एक दशक में इस प्रारूप में आस्ट्रेलिया में श्रृंखला में उसकी पहली जीत थी। स्टार लेग स्पिनर अलाना किंग भी वनडे और टेस्ट टीम में लौटी हैं।

रणजी ट्रॉफी फाइनल : सितारों से भरी कर्नाटक का सामना आत्मविश्वास से ओतप्रोत जम्मू कश्मीर से

एजेंसी

हुब्बली। पहली बार रणजी ट्रॉफी फाइनल में पहुंची जम्मू कश्मीर की कहानी लगन और जुझारूपन की मिसाल है लेकिन खिताब जीतने के लिये इस छिपी रूस्तम टीम को अगले पांच दिन में आठ बार की चैम्पियन कर्नाटक के खिलाफ चमत्कारिक प्रदर्शन करना होगा। कर्नाटक को उसके अतीत के प्रदर्शन के कारण ही प्रबल दावेदार नहीं माना जा रहा बल्कि इस सत्र में उसने समय समय पर प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझने के बावजूद अलग अलग हालात में बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ पहले मुकाबले में खराब शुरूआत के बाद से कर्नाटक ने अपने मैदान पर और बाहर दमदार प्रदर्शन किया है। उसके स्टार बल्लेबाजों केएल राहुल, करूण नायर, देवदत्त पडिक्कल और

रविचंद्रन स्मरण ने इस कामयाबी की कहानी लिखी है। राहुल ने तीन मैचों में 457 रन, करूण ने आठ मैचों में 699 रन , पडिक्कल ने पांच मैचों में 532 रन और स्मरण ने आठ मैचों में 950 रन बनाये हैं। इससे कर्नाटक को कप्तानी में बदलाव से सामंजस्य बिठाने में भी मदद मिली। मयंक अग्रवाल की जगह पडिक्कल ने टीम की कमान संभाली और बल्लेबाजी तथा कप्तानी दोनों में खरे उतरे। इस मजबूत बल्लेबाजी क्रम का सामना हालांकि तेज गेंदबाज आकिब नबी की अगुवाई में जम्मू कश्मीर के बेहतरीन गेंदबाजों से होगा। जम्मू कश्मीर ने 67 साल पहले रणजी ट्रॉफी में पदार्पण के बाद पहली बार फाइनल में प्रवेश किया है। नबी ने इस सत्र में 55 विकेट लिये हैं और यहां पर भी पिच से शुरूआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है। वैसे कर्नाटक के पास भी शानदार गेंदबाजी आक्रमण है जिसकी अगुवाई भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा करेंगे। उनका साथ देने के लिये विद्वत कावेरप्पा, विद्याधर पाटिल, विशाख विजयकुमार, शिखर शेट्टी और मोहसिन खान हैं। लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल 46 विकेट लेने के अलावा 442 रन बना चुके हैं। कर्नाटक के पूर्व कप्तान आर विनय कुमार ने कहा ,'' श्रेयस ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है और काफी उपयोगी साबित हुआ है। इससे कर्नाटक दमदार टीम बनकर उभरी है। अपने खिलाड़ियों के हुनर के अलावा कर्नाटक बड़े मैचों के उनके अनुभव के आधार पर भी प्रबल दावेदार लग रहा है। राहुल, करूण, श्रेयस और मयंक उस टीम का हिस्सा थे जिसने 2013 . 14 और 2014 . 15 में लगातार दो बार खिताब जीते। ये युवा खिलाड़ियों को दबाव का सामना करने के लिये मशविरा दे सकते हैं।

प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश के आरोप से लियोनेल मेसी को मिली क्लीन चिट

नई दिल्ली। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) ने समीक्षा के बाद स्पष्ट किया है कि स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया। इंटर मियामी की सत्र की शुरुआत में मिली 0-3 की हार के बाद मैच अधिकारियों के पीछे एक दरवाजे से अंदर जाने को लेकर उन पर प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने का आरोप लगा था। यह घटना शनिवार को एमएलएस के मुकाबले के दौरान हुई, जब इंटर मियामी सीएफ को लॉस एंजेल्स एफसी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। लीग प्रवक्ता ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि वीडियो फुटेज की समीक्षा के बाद यह पाया गया कि मेसी जिस स्थान पर गए थे, वह न तो रेफरी का ड्रेसिंग रूम था और न ही कोई प्रतिबंधित क्षेत्र। इसलिए किसी नीति का उल्लंघन नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में इंटर मियामी के खिलाड़ी लुइस सुआरेज़ मेसी को हाथ पकड़कर रोकने की कोशिश करते दिखे, लेकिन अर्जेंटीना के कप्तान उस दरवाजे से अंदर चले गए।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ क्लीन मैक्स एनवायरो का आईपीओ, 25 तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मशियल एंड इडस्ट्रियल रीन्यूएबल एनर्जी प्रोवाइडर क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड का 3,100 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 25 फरवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 26 फरवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 27 फरवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर दो मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर दो बजे तक कंपनी के इस आईपीओ को 0.32 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 1,000 से लेकर 1,053 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 14 शेयर का है। क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को न्यूनतम एक लॉट यानी 14 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 14,742 रुपये का निवेश करना होगा। रिटेल इनवेस्टर्स इस आईपीओ में अधिकतम 13 लॉट यानी 182 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 1,91,646 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत एक रुपये फ़ेस वैल्यू वाले कुल 2,94,39,695 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 1,200 करोड़ रुपये के 1,13,96,011 नए शेयर और 1,900 करोड़ रुपये के 1,80,43,684 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.47 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 34.63 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.84 प्रतिशत हिस्सा और एंप्लॉयीज के लिए 1.07 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए एक्सिस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि एमयूजीएफ इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 59.47 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 37.64 करोड़ रुपये रह गया। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी फायदे में आ गई। इस साल कंपनी को 19.43 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 19 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 960.98 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1,425.31 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 1,610.34 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 969.35 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 3,843.42 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 5,514.56 करोड़ रुपये और 2024-25 में 7,973.70 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी का आईपीओ खुला, 25 फरवरी तक कर सकेंगे निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सोमवार को सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया। निवेशक इसमें 25 फरवरी तक निवेश कर सकेंगे। कंपनी ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 1,00051,053 रुपये तय किया है।

क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने अपने आईपीओ के खुलने से पहले 21 फरवरी को प्रमुख एंकर निवेशकों से 921 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने निवेशकों को 1,053 रुपये प्रति शेयर के भाव 87,46,437 इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं। क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी के आईपीओ का साइज 3,100 करोड़ रुपये है। नवीकरणीय ऊर्जा समाधान प्रदाता कंपनी ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 1,00051,053 रुपये तय किया है। कंपनी इस इश्यू के जरिए फ्रेश शेयर और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) दोनों लेकर आ रही है। निवेशक इसमें कम से कम 14 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 14 इक्विटी शेयर्स के मल्टीपल में बिड कर सकते हैं। क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड एक वाणिज्यिक और औद्योगिक नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी है, जिसकी स्थापना वर्ष 2010 में मुंबई भारत में हुई थी। इस कंपनी की स्थापना कुलदीप जैन, प्रताप जैन और निधि जैन ने कॉर्पोरेट प्रमोटर बीजीटीएफ वन होल्डिंग्स लिमिटेड और केएमपीआईएनसी एलएलपी के साथ मिलकर की थी।

आरबीआई की नजर में है आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में धोखाधड़ी की जांच : गवर्नर मल्होत्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में 590 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी मामले पर नजर है, लेकिन इसमें कोई प्रणालीगत समस्या नहीं है। नई दिल्ली में सोमवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में संजय मल्होत्रा ने एक सवाल के जवाब में कहा कि पॉलिसी के तौर पर हम किसी एक बैंक या रेगुलेटेड एंटिटी पर टिप्पणी नहीं करते हैं। हम डेवलपमेंट पर नजर रख रहे हैं। इससे पहले आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वी. वैद्यनाथन ने कहा कि बैंक के कर्मचारियों और बाहरी पक्षों की मिलीभगत के जरिये हरियाणा सरकार के खातों से जुड़ी 590 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया। यह मुद्दा एक इकाई और एक ग्राहक समूह तक सीमित था। यह किसी प्रणालीगत 'रिपोर्टिंग' त्रुटि का मामला नहीं है। हरियाणा सरकार ने कथित बैंक धोखाधड़ी के आरोपों के मद्देनजर एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ-साथ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को भी सरकारी कार्यों के लिए अपनी समिति से बाहर (डी-एम्पैनल्ड) कर दिया है। इसके बाद आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने रविवार को खुलासा किया था कि उसके कर्मचारियों और अन्य लोगों ने हरियाणा सरकार के खातों में 590 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है।

सोने की कीमत में सांकेतिक गिरावट, चांदी भी फिसली

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार में सोना और चांदी के भाव में सांकेतिक गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,59,270 रुपये से लेकर 1,59,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,45,990 रुपये से लेकर 1,46,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,59,420 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,59,270 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,45,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,59,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,59,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,46,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,59,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

कैबिनेट मंत्री राजभर ने पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में खगोल विज्ञान प्रयोगशाला का किया लोकार्पण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

आज़मगढ़। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने आज आजमगढ़ में पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में 45 लाख रुपये की लागत से निर्मित खगोल विज्ञान प्रयोगशाला का लोकार्पण किया। उन्होंने प्रयोगशाला का भ्रमण कर छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार प्रोजेक्ट्स का अवलोकन कर उनसे संवाद भी किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि इस प्रयोगशाला के शुरू होने से बच्चों को नवाचार और वैज्ञानिक प्रयोगों के क्षेत्र में नई दिशा मिलेगी। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने की सलाह देते हुए कहा कि केवल सुविधाएं नहीं, बल्कि मेहनत ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प का जिक्र करते हुए बताया कि प्रदेश के 18 अटल आवासीय विद्यालयों से बच्चों को इसरो भेजा गया है, जिससे अन्य छात्र भी प्रेरित हो रहे हैं। मंत्री ने जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार की सराहना करते हुए कहा कि क्रिटिकल गैप से इस प्रयोगशाला का निर्माण एक सार्थक पहल है। साथ ही मनरेगा योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत नवोदय विद्यालय परिसर में नाली निर्माण और पूर्वी मध्य भाग में बाउंड्री वाल निर्माण कार्य का भी लोकार्पण किया गया। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने कहा कि विज्ञान केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जिज्ञासा और प्रयोग की भावना से जुड़ा विषय है। उन्होंने छात्रों से प्रयोगशाला का उपयोग नवाचार और शोध के लिए करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि देशभर में लगभग 650 से अधिक नवोदय विद्यालय संचालित हैं, जहां से पढ़कर छात्र विभिन्न ऊंचे पदों पर कार्यरत हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि नवोदय विद्यालयों का शैक्षिक वातावरण बेहतर है और यहां के छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित होते रहे हैं। उन्होंने छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल, कला और अन्य क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत और गणेश वंदना से हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना, अधिशासी अभियंता आरईडी, प्रधानाचार्य शशिकांत राय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

छात्रा के आत्महत्या के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर 63 क्षेत्र में एक दिन पूर्व रविवार को 13 वर्षीय छात्रा के आत्महत्या मामले में पुलिस ने सोमवार को दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका के भाई ने तीन लोगों पर बहन के साथ यौन शोषण करने, ब्लैकमेल करने के चलते आत्महत्या किए जाने की तहरीर दी थी। वहीं दो आरोपितों के दूसरे समुदाय का होने के चलते कुछ हिंदू संगठन ने मामले में विरोध जताया था। पुलिस उपायुक्त जोन द्वितीय शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना सेक्टर 63 क्षेत्र के बहलोलपुर गांव में रहने वाली एक 13 वर्षीय कक्षा सात में पढ़ने वाली एक छात्रा ने रविवार को अपने घर पर पंखे से फंदा लगा लिया था। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस को जांच में मिले मृतक छात्रा की ओर से लिखे सुसाइड नोट में तीन युवकों को खुद्कुशी करने का जिम्मेदार बताया गया था। इसी के तहत मृतका के परिजनों ने मोहम्मद अरबाज, मोहम्मद समीर और अंकुश तोमर पर बेटी के साथ अश्लील हरकत कर यौन उत्पीड़न करने और ब्लैकमेल किए जाने से बेटी के आत्महत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी थी। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपितों की तलाश की। दबिश में पुलिस टीम ने आज इस मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में मो. अरबाज और मो. समीर हैं। उन्होंने बताया कि अंकुश तोमर एक अन्य मामले में पहले से जेल में है। डीसीपी ने बताया कि आरोपितों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक छात्रा के शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। अगर इस बात की पुष्टि होती है कि आरोपितों ने किशोरी के साथ यौन शोषण किया है तो मुकदमे में धारा की बढ़ाते हुए कार्रवाई की जाएगी।

अमेठी में निर्माणाधीन रिंगरोड पर अंडरपास की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया धरना -प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अमेठी। उत्तर प्रदेश के जनपद अमेठी के कोतवाली एवं तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा रेभा सहित आसपास के कई गांवों के ग्रामीणों ने अमेठी बाईपास फ़ेज-क्क्र (रिंगरोड) पर अंडरपास बनाए जाने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने बताया कि बाईपास निर्माण के चलते रेभा संपर्क मार्ग को पूर्ण रूप से बंद किया जा रहा है, जिससे हजारों की आबादी का आवागमन प्रभावित हो रही है ।

ग्रामीणों के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग के अंतर्गत बन रहे अमेठी बाईपास फ़ेज-क्क्र (रिंगरोड)का निर्माण कार्य प्रगति पर है। अमेठी-प्रतापगढ़ मार्ग से ग्राम रेभा, ज्ञानचंदपुर, महसो, आदि गांवों को जोड़ने वाली पक्की सड़क जिला पंचायत द्वारा बनाई गई थी। लेकिन बाईपास (रिंग रोड) निर्माण के दौरान इस संपर्क मार्ग को बंद किया जा रहा है और बाईपास पर कोई अंडरपास प्रस्तावित नहीं है। ग्रामीणों ने कहा कि बाईपास की ऊंचाई अधिक होने के कारण सीधे आवागमन संभव नहीं होगा, जिससे करीब दस हजार से अधिक की आबादी को लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा। इससे छात्रों, किसानों, व्यापारियों और मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। ज्ञापन में मांग की गई है कि रेभा संपर्क मार्ग से आवागमन सुगम बनाने के लिए अमेठी बाईपास फ़ेज-क्क्र (रिंगरोड) पर शीघ्र अंडरपास का निर्माण कराया जाए, ताकि ग्रामीणों की समस्या का समाधान हो सके। ग्रामीणों ने बताया कि यदि हमारी मांग नहीं मानी जाती है तो इस सड़क से आवागमन करने वाले लगभग 8 से 10 गांव के लोग धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। इस संबंध में प्रशासनिक एसडीएम अमेठी आशीष कुमार सिंह ने बताया कि रेभा गांव से कुछ लोग ज्ञापन देने के लिए आए थे उनका ज्ञापन लिया गया। उनकी समस्या यह है कि गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा रिंग रोड बनाए जाने का कार्य प्रगति पर है। उसमें उनके द्वारा अंडरपास की मांग की गई है इसके लिए मेरे द्वारा एनएच के एई से बात किया गया है।

आज ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के एक जेई और उनकी टीम मौके पर गांव गई हुई है। मामले की जांच कर रही है नियमानुसार जो भी कार्यवाही होगी वह कराया जाएगा।

टेट की अनिवार्यता के विरोध में शिक्षक काली पट्टी बांध कर रहे आंदोलन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में बर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता लागू किए जाने के विरोध में देशभर के शिक्षक संगठनों ने आंदोलन तेज कर दिया है। टीचर फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा के आह्वान पर प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठन एक मंच पर आकर चरणबद्ध आंदोलन कर रहे हैं। आंदोलन के प्रथम चरण में 22 फरवरी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर (एक्स) पर चलाया गया अभियान पूरे देश में नंबर एक ट्रेंड पर रहा। इसके बाद 22 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक शिक्षक काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य करते हुए विरोध जता रहे हैं। ब्लॉक अध्यक्ष दीपक दुबे एवं मंत्री विक्रम दत्त ने बताया कि शिक्षकों की मांगों की अनदेखी किए जाने पर आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगला चरण जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन का होगा। यदि इसके बाद भी सरकार द्वारा आदेश वापस नहीं लिया गया तो मार्च माह में देश की राजधानी में विशाल प्रदर्शन एवं घेराव किया जाएगा। जिला मंत्री अरविंद राजपूत, जूनियर शिक्षक संघ के अध्यक्ष श्यामसुंदर तथा मंत्री अरुण दीक्षित ने संयुक्त रूप से कहा कि सभी शिक्षक संगठन एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने जानकारी दी कि 26 फरवरी को पूरे प्रदेश में एक साथ जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।

प्रयागराज रेल मंडल में रेल वन ऐप के प्रति यात्रियों को किया गया जागरूक

प्रयागराज। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक प्रयागराज हरिमोहन के मार्गदर्शन में खुर्ज़ा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को डिजिटल सुविधाओं से जोड़ने एवं आरक्षित-अनारक्षित टिकट बुकिंग प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से रेल वन ऐप जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत रेल कर्मचारियों द्वारा यात्रियों को रेल वन ऐप की उपयोगिता, इससे टिकट बुक करने की प्रक्रिया तथा इसके विभिन्न लाभों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने आज बताया कि इस अभियान के दौरान लगभग 30 रेल यात्रियों के एंड्रॉयड मोबाइल फोन में रेल वन ऐप डाउनलोड कराया गया तथा उन्हें स्वयं टिकट बुकिंग प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रदर्शन भी कराया गया।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

बागपत में महिला की हत्या का आरोपित गिरफ्तार इस प्रकरण में तीन पुलिसकर्मी हुए थे सस्पेंड

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बागपत। उत्तर प्रदेश के जनपद बागपत के सूरजपुर महनवा गांव के पास रेप का विरोध करने पर हुई महिला की हत्या का पुलिस ने आज खुलासा कर दिया है। मामले में एक नशेड़ी को गिरफ्तार किया गया है। घटना में 150 लोगों से पूछताछ की गई गयी थी और 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे देखे गए। एसपी ने इस घटना में तीन पुलिसकर्मियों को भी सस्पेंड कर दिया गया था। एसपी बागपत सूरज कुमार राय ने सोमवार को घटना का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस द्वारा डेढ़ सौ लोगों से पूछताछ करते हुए 100 से ज्यादा कैमरा देखे गए। महिला की हत्या मामले में पुलिस को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। हत्या के बारे में 150 लोगों से पूछताछ हुई, सीसीटीवी कैमरों से भी मदद नहीं मिली। पुलिस टीम ने एक ब्लाइंड केस को खोला है। इसलिए टीम को 25 हजार रुपये का इनाम दिया जा रहा है। घटना बागपत जिले में 11 फरवरी को बागपत कोतवाली क्षेत्र के सूरजपुर महनवा गांव के पास हुई थी। सूरजपुर मानव गांव निवासी बाबूराम ने पुलिस को लिखित शिकायत दी थी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसकी पत्नी की हत्या कर दी गई है । पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की। इस घटना को लेकर कई दिन तक हंगामा चला और धरने प्रदर्शन हुए। एसपी बागपत सूरज कुमार राय ने मामले की गंभीरता को लेते हुए लापरवाही के आरोप में तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी थी। घटना के खुलासे में चार इंस्पेक्टर सहित 16 पुलिस कर्मियों को लगाया था था। 11 दिन की कड़ी मेहनत के बाद बागपत पुलिस ने घटना में आरोपी को गिरफ्तार किया।

प्रयागराज जंक्शन पर मजिस्ट्रेट चेकिंग में 396 यात्रियों से 2.72 लाख रूपये का वसूला गया जुर्माना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर रेलवे मजिस्ट्रेट विवेक कुमार जायसवाल के नेतृत्व में टिकट चेकिंग अभियान रविवार की देर शाम तक चलाया गया। इसमें कुल 396 यात्रियों से 2 लाख 72 हजार 404 रूपये का जुर्माना वसूला गया। जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने सोमवार को बताया कि टिकट चेकिंग अभियान में स्टेशन एवं ट्रेनों में व्यापक रूप से टिकटों की जांच की गई। बिना टिकट यात्रा के 148 यात्रियों से 1 लाख 28 हजार 535 रुपये। अनियमित टिकट यात्रा के 242 यात्रियों से 1 लाख 29 हजार 520 गंदगी के लिए के दो यात्रियों से 300 एवं अनबुक्ड लगेज के साथ चार यात्रियों से 14 हजार 049 रुपये का जुर्माना वसूला गया। पीआरओ ने बताया कि इस अभियान में मंडल मुख्य टिकट निरीक्षक प्रयागराज दिवाकर शुक्ला, मुख्य टिकट निरीक्षक संतोष कुमार, 25 टिकट चेकिंग स्टॉफ, 10 रेलवे सुरक्षा बल कर्मी एवं 8 राजकीय रेलवे पुलिस कर्मियों की भागीदारी रही।

बिजली का फॉल्ट ठीक करते समय करंट लगने से लाइनमैन की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। थाना दादरी क्षेत्र के बालाजी एनक्लेव कॉलोनी में बिजली की लाइन पर काम करते समय करंट लगने से लाइनमैन की मौत हो गई। परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया है। सूचना पर कई थाना क्षेत्र की पुलिस पहुंच गई है। परिजन मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा कर रहे हैं। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि रवि जाटव नामक व्यक्ति बिजली विभाग में संविदा पर लाइनमैन के रूप में काम करता था। सोमवार को वह थाना दादरी क्षेत्र के बालाजी एनक्लेव में बिजली की लाइन ठीक करने के लिए गया था। बिजली के खंभे पर चढ़कर लाइन ठीक करते समय लाइनमैन रवि को करंट लगा और वह खंभे से नीचे गिर गया। उन्हें गंभीर हालत में उसे मोहन स्वरूप अस्पताल में भर्ती करवाया गया, लेकिन रवि की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि लाइनमैन की मौत के बाद आक्रोशित परिजनों ने शव को मोहन स्वरूप अस्पताल के सामने सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण इकट्ठे हो गए। उन्होंने बताया कि पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाया गया। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने मांग है कि बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर आए तथा उचित मुआवजा और परिवार को भरण पोषण का आश्वासन दें। इसके बाद विद्युत विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया तथा दोनों पक्षों में वार्ता कराई गई। उसके बाद ग्रामीण शांत हुए।

रावण वध और राम राज्याभिषेक की गूंज से भक्तिमय हुआ जैनपुर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के जनपद औरैया के अजीतमल तहसील क्षेत्र स्थित शिवधाम ऋषि आश्रम, जैनपुर नहर की पटरी पर चल रही श्रीराम कथा के नौवें दिन सोमवार को भक्तिमय वातावरण चरम पर रहा। कथा वाचक सरस व्यास राज नारायण शास्त्री (राजा पंडित रामायनी) ने रामायण के अंतिम प्रसंग रावण वध और राम राज्याभिषेक का अत्यंत मार्मिक और ओजपूर्ण वर्णन किया। कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

व्यास जी ने बताया कि रावण वध अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। लंका युद्ध के दौरान भगवान श्रीराम और रावण के बीच भीषण संग्राम हुआ। प्रभु श्रीराम के बाणों से रावण के सिर बार-बार कटते थे, किंतु वरदान के कारण वे पुनः निकल आते थे। रावण को ब्रह्माजी से यह वरदान प्राप्त था कि उसकी नाभि में अमृत स्थित है, जिससे वह अजेय बना रहता था। तभी रावण के धर्मपरायण भाई विभीषण ने श्रीराम को यह रहस्य बताया कि रावण का अंत तभी संभव है जब उसकी नाभि में स्थित अमृत को सुखाया जाए। तब श्रीराम ने अग्निदेव द्वारा प्रदत्त दिव्य अस्त्र ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया। प्रभु के बाण ने रावण की नाभि पर प्रहार किया और उसका अंत हुआ। पूरा पांडाल ल्लजय श्रीरामङ्क के उद्घोष से गूंज उठा। कथा के दौरान सीता माता की मुक्ति, अग्निपरीक्षा और पुष्पक विमान से अयोध्या वापसी का भावपूर्ण वर्णन किया गया। व्यास जी ने बताया कि अयोध्या वासियों ने दीप जलाकर प्रभु श्रीराम का स्वागत किया, जिसे आज हम दीपावली के रूप में मनाते हैं। इसके उपरांत भगवान श्रीराम का भव्य राज्याभिषेक हुआ और रामराज्य की स्थापना हुई, जो न्याय, धर्म और आदर्श शासन का प्रतीक है। इस अवसर पर औरैया नगर पालिका अध्यक्ष अनूप गुप्ता ने धर्म और संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वेश कठेरिया भी अपने कार्यकर्ताओं सहित कथा में पहुंचे। कथा आयोजन के संयोजक प्रेम गिरी महाराज ने बताया कि मंगलवार को भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालुओं से सादर पधारने की अपील की गई है।